शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 200 | गुवाहाटी | गुरुवार, 20 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

रोजगार के लिए युवा जा रहे विदेश, सरकार भटका रही ध्यान पेज 2
दिन में 18 घंटे सेवा करते हैं मुख्यमंत्री शर्मा : चक्रधर गोगोई पेज 3
राजस्थान बजट 2025-26 : सवा लाख भर्तियां करने और दो लाख परिवारों ... पेज 5
चैंपियंस ट्रॉफी में पहली बार खेलेंगे दस भारतीय खिलाड़ी पेज 7

राज्य की समृद्ध संस्कृति को प्रदर्शित करेगा झुमुर नृत्य : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि आगामी निवेश शिखर सम्मेलन *एडवांटेज असम* के दौरान प्रदर्शित किया जाने वाला झुमोर नृत्य राज्य की चाय बागान संस्कृति को प्रदर्शित करेगा। सीएम शर्मा ने एक्स को लेते हुए लिखा कि #झुमॉइरबिनंदिनी के लिए सिर्फ 5 दिन शेष हैं, जो हमारी चाय बागान संस्कृति का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा, आइए जानते हैं झुमॉइर के दौरान बजाए जाने वाले विभिन्न संगीत वाद्ययंत्रों के बारे में। मुख्यमंत्री आगामी 25 और 26 फरवरी को होने वाले शिखर सम्मेलन - एडवांटेज असम - के माध्यम से निवेश पर नजर रख रहे थे। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन से राज्य में और अधिक निवेश आएगा। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों को अधिक सरकारी नौकरियां और उद्यमिता सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने हाल ही में दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर का दौरा किया, जहां उन्होंने शीर्ष उद्योगपतियों से मुलाकात की और उन्हें असम में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री के अनुसार, इस कार्यक्रम में चाय -शेष पृष्ठ दो पर

डिमा हसाउ : बाढ़ग्रस्त कोयला खदान से शेष पांच श्रमिकों के शव बरामद

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के डिमा हसाउ जिले के उमरांग्सू के तीन किलो के कलामाटी क्षेत्र में बाढ़ग्रस्त 19 नंबर कोयला खदान से 45 दिनों के बाद बुधवार को लापता शेष पांच श्रमिकों के क्षत-विक्षत शव बरामद कर लिए गए। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने दी। मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर खबर की पुष्टि करते हुए कहा कि आज खदान से पानी पूरी तरह निकल जाने के बाद बचाव दल ने शेष पांच श्रमिकों के शव बरामद कर लिए हैं। उनकी पहचान की प्रक्रिया चल रही है। इसके साथ ही बचाव अभियान बंद कर दिया गया है। इस बीच, एनडीआरएफ सूत्रों ने बताया कि बचाए गए पांच श्रमिकों के शवों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उमरांग्सू थाना के अधिकारियों को सौंप दिया गया है। बीती 6 जनवरी को डिमा हसाउ जिलांतर्गत उमरांगशु के 3 किलो कलामाटी क्षेत्र में एक भयावह कोयला खदान हादसा हुआ था, जिसमें एनडीआरएफ टीम ने 7 जनवरी से 17 जनवरी तक संयुक्त खोज और बचाव अभियान के दौरान जबरदस्त भागीदारी निभाई थी। इस दौरान चार श्रमिकों के शवों को बाहर निकाला गया था। एक बार फिर से 5 फरवरी को खोज और बचाव अभियान के लिए डिमा हसाउ के जिला अधिकारियों द्वारा एनडीआरएफ टीम की मांग की गई और 6 फरवरी को इंस्पेक्टर रौशन कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई। आज एनडीआरएफ टीम ने मनोज कुमार राणा, एसी, प्रथम बीएन एनडीआरएफ की देखरेख में कोयला खदान के बेस से पीड़ित परिवारों के शेष सभी 05 शवों को सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया गया। प्रथम बीएन एनडीआरएफ के कमांडेंट एचपीएस कंडारी ने पूरे ऑपरेशन की बारीकी से निगरानी की और जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए पहले चरण की खोज अभियान के दौरान कोयला खदान बेस में पहुंचे। आज सबसे पहले एक श्रमिक का शव बरामद किया गया। चार अन्य लोग खदान में फंसे रहे। -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली की नई भाग्य रेखा...

एलजी से मिलकर सरकार बनाने का दावा किया पेश, शपथ आज

नई दिल्ली। दिल्ली के नए मुख्यमंत्री का नाम तय हो गया है। शालीमार बाग से विधायक रेखा गुप्ता दिल्ली की नई सीएम होंगी। पार्टी के पर्यवेक्षक रविशंकर प्रसाद और ओम प्रकाश धनखड़ ने विधायकों से एक-एक करके बात की, फिर रेखा गुप्ता के नाम की घोषणा की। 27 साल बाद राजधानी में भाजपा की वापसी हुई है। लंबे सस्पेंस के बाद बुधवार शाम भाजपा विधायक दल की बैठक में उनके नाम पर मुहर लगी। शालीमार बाग से विधायक रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह भाजपा के लिए ऐतिहासिक पल है क्योंकि 27 साल बाद पार्टी ने दिल्ली की सत्ता में वापसी की है। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं रविशंकर प्रसाद और ओम प्रकाश धनखड़ ने विधायकों से एक-एक कर बातचीत की और सभी की राय जानने के बाद रेखा गुप्ता के नाम की घोषणा की गई। इससे पहले मुख्यमंत्री पद के लिए कई नाम चर्चा में थे, लेकिन रेखा गुप्ता ने सबको पीछे छोड़ते हुए बाजी मार ली। उनके नाम की घोषणा के साथ ही पार्टी कार्यालय में जश्न का माहौल बन गया और समर्थकों ने जमकर खुशी मनाई। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री चुनी गई भाजपा विधायक रेखा गुप्ता के घर पर जश्न का माहौल है। उनके समर्थक बड़ी संख्या में घर के बाहर जुटे और फूल-मालाओं के साथ उनके परिवारजनों का स्वागत किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया और पटाखे फोड़े। रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री चुने जाने पर समर्थकों में उत्साह है। कल सुबह 11 बजे वह मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगी। शालीमार बाग से विधायक बनीं रेखा गुप्ता का राजनीतिक सफर संघर्ष और उपलब्धियों से भरा रहा है। रेखा गुप्ता का जन्म 19 जुलाई 1974 को हरियाणा के जुलाना में हुआ था। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से कॉमर्स में ग्रैजुएशन करने के बाद प्रबंधन और कला में मास्टर्स की डिग्री हासिल की। उनका राजनीतिक सफर 1993 में अखिल भारतीय विद्यार्थी -शेष पृष्ठ दो पर

रविशंकर प्रसाद और ओपी धनखड़ बने पर्यवेक्षक

नई दिल्ली। भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतकर 27 साल के अंतराल के बाद राष्ट्रीय राजधानी सरकार में वापसी की। इसने बहुमत का आंकड़ा आसानी से पार कर लिया और कुल 70 में से 48 सीटें जीत लीं। भगवा पार्टी के भीतर दिल्ली के नए सीएम के लिए नाम चुनने पर विचार-विमर्श तेज हो गया है। पार्टी ने 20 फरवरी को दिल्ली के प्रतिष्ठित रामलीला मैदान में दिल्ली कैबिनेट का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित करने की घोषणा की है। इस बीच, आज एक महत्वपूर्ण विधायक दल की बैठक होनी है। भाजपा संसदीय बोर्ड ने आज होने वाली विधायक दल की बैठक के लिए पर्यवेक्षक के तौर पर रविशंकर प्रसाद और ओम प्रकाश धनखड़ का नाम फाइनल कर लिया है। दिल्ली कमिश्नर (कानून एवं व्यवस्था) ने कहा कि कल शपथ ग्रहण समारोह के लिए तैयारियां चल रही हैं। पुलिस भी अपनी ओर से सुरक्षा और यातायात की तैयारी कर रही है। जोन के आधार पर लगभग 15 डीसीपी होंगे। सुरक्षा और यातायात के लिए अलग-अलग अधिकारी होंगे। हमने समारोह प्रबंधकों और प्रशासन के साथ बैठक की है।

भारी हंगामा के चलते बजट सत्र की कार्यवाही तीन बार स्थगित हुई

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा के चल रहे बजट सत्र के दूसरे दिन बुधवार को भारी हंगामा के चलते विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी ने सदन की कार्यवाही को तीन बार 15, 10 और 20 मिनट के लिए स्थगित किया। आज जैसे ही प्रश्नकाल समाप्त हुआ, उसके बाद सत्ता पक्ष एवं विपक्ष अध्यक्ष के आसन के सामने पहुंचकर हंगामा करने लगे। अध्यक्ष के पास चार सभा स्थगन का नोटिस दिया गया था। प्रश्नकाल के बाद अध्यक्ष ने जैसे ही रूलिंग पढ़ना शुरू किया। ठीक इसी समय -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य से 30,115 विदेशियों को भेजा गया वापस

गुवाहाटी। असम समझौते के मानदंडों के अनुसार लगभग 1.66 लाख प्रवासियों की पहचान *अवैध* के रूप में की गई है और उनमें से लगभग 30,100 को राज्य से निर्वासित किया गया है, यह जानकारी बुधवार को विधानसभा को दी गई। कांग्रेस विधायक अब्दुर रहीम अहमद के प्रश्न के लिखित उत्तर में असम समझौता कार्यान्वयन मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि पिछले साल 31 दिसंबर, 2024 तक असम में अवैध रूप से रह रहे कुल 1,65,531 प्रवासियों का पता चला है। उन्होंने कहा कि इनमें से 32,870 1966 और 1971 के बीच आए तथा 1,32,661 -शेष पृष्ठ दो पर

महाकुंभ में तीन लाख करोड़ रुपए का हुआ व्यापार : सीएआईटी

महाकुंभ नगर (हि.स.)। विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन महाकुंभ ने व्यापार और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) के अनुसार इस बार के महाकुंभ ने तीन लाख करोड़ रुपए (360 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक का व्यापार उत्पन्न किया है, जिससे यह भारत के सबसे बड़े आर्थिक आयोजनों में से एक बन गया है। सीएआईटी के महासचिव और सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि यह आयोजन आस्था और अर्थव्यवस्था के गहरे संबंध को दर्शाता है। प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। खंडेलवाल -शेष पृष्ठ दो पर

नगांव जेल से कैदी के भाग जाने से अधिकारियों का तबादला, वार्डन निलंबित

नगांव। असम गृह विभाग ने नगांव सेंट्रल जेल से एक कैदी के हाल ही में भागने की घटना के बाद सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। इस घटना में ड्रग माफिया दुलाल अली शामिल था, जिससे सुरक्षा चूक और सुविधा के भीतर आंतरिक अनियमितताओं पर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। सुधारात्मक उपायों के तहत नगांव सेंट्रल जेल के अधीक्षक तपस कुमार भुइयां को सोनारी स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके अलावा, जेलर मानस कुमार बुरहागोहेन को दंडात्मक उपाय के तौर पर सादिया में फिर से नियुक्त किया गया है। एक और कठोर कदम उठाते -शेष पृष्ठ दो पर

आयुष्मान भारत योजना में अनियमितता

सरकार ने आठ अस्पतालों को पैनल से बाहर किया, मामला दर्ज

गुवाहाटी। राज्य सरकार ने बहुस्तरीय, कठोर ऑडिट के बाद आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना के दावों में अनियमितताओं का पता लगाया है, जिसके बाद आठ अस्पतालों को पैनल से हटा दिया गया है और दो अन्य के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। राज्य के 23 अस्पतालों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है तथा ग्यारह अन्य का पैनल निलंबित कर दिया गया है। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि अस्पतालों को विभिन्न कारणों से कारण बताओ नोटिस जारी किया गया या निलंबित कर दिया गया, जैसे कि जेब से अधिक खर्च या कैशलेस उपचार के अतिरिक्त लिए गए भुगतान की रसीद दिए बिना बिल बनाना। बराक घाटी में शिफा और नोबेल अस्पतालों के मामले में, वे झूठे बिल प्रस्तुत कर रहे -शेष पृष्ठ दो पर

छात्रा आत्महत्या पर नेपाल सरकार ने दी धमकी, कहा-

भारत जाने वाले छात्रों को नहीं देगा एनओसी

काठमांडु। ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) में बीटेक (कंप्यूटर साइंस) थर्ड ईयर की नेपाली छात्रा प्रकृति लमसल (20) की संदिग्ध आत्महत्या ने गंभीर विवाद खड़ा कर दिया है। 16 फरवरी को उसका शव उसके हॉस्टल के कमरे में बरामद हुआ, जिसके बाद केआईआईटी परिसर में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। इस घटना ने न केवल भारत बल्कि नेपाल में भी गुस्से की लहर पैदा कर दी है। नेपाल सरकार ने इस मुद्दे को लेकर तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह भविष्य में ओडिशा के किसी भी विश्वविद्यालय या शैक्षणिक संस्थान में पढ़ने के लिए अपने छात्रों को अनापत्ति प्रमाण -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में जल्द आ रही कैंसर वैक्सीन : केंद्र

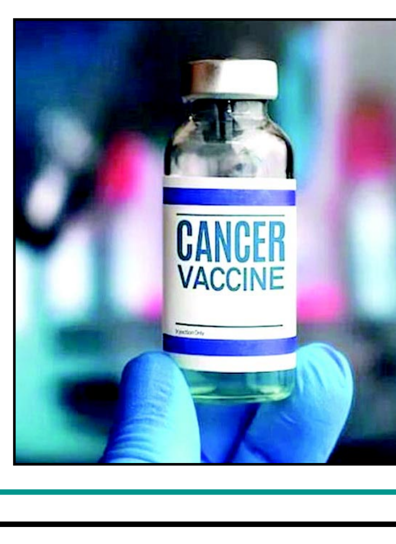

नई दिल्ली। कैंसर एक ऐसी बीमारी है, जो दुनियाभर में तेजी से बढ़ रही है। खासकर महिलाओं में यह बीमारी अधिक देखी जा रही है। इस बीमारी के कारण लाखों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं, लेकिन हाल ही में इस समस्या से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने घोषणा की है कि महिलाओं में होने वाले कैंसर से बचाव के लिए एक वैक्सीन अगले पांच से छह महीनों में उपलब्ध हो जाएगी। यह वैक्सीनेशन खासकर 9 से 16 साल की लड़कियों के लिए किया जाएगा। महिलाओं में होने वाले कैंसर के लिए एक वैक्सीन पांच से छह महीनों में उपलब्ध होगी। केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि देश में कैंसर के मामलों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है और इसे लेकर सरकार पूरी तरह से गंभीर है। उन्होंने बताया कि यह वैक्सीन महिलाओं में स्तन, मुख और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से लड़ने में मदद करेगी। यह कदम इस दिशा में एक बड़ी उम्मीद लेकर आया है, क्योंकि महिलाओं में इन कैंसर प्रकारों का खतरा बहुत अधिक है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कैंसर के टीके पर शोध काम लगभग पूरा हो चुका है और फिलहाल परीक्षण चल रहे हैं। वे यह भी कहते हैं कि इस टीके को जल्द से जल्द लॉन्च किया जाएगा, ताकि महिलाओं को इससे होने वाले खतरों से बचाया जा सके। इस वैक्सीनेशन को प्राथमिकता उन लड़कियों को दी जाएगी, जिनकी उम्र 9 से 16 साल के बीच है। यह -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव परिणामों के लिए शीर्ष नेताओं की जवाबदेही होगी तय : खड़गे

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज यहां पार्टी के शीर्ष नेताओं से कहा कि वे सभी अपने प्रभार वाले राज्यों के संगठन और भविष्य में होने वाले चुनावों के परिणामों के लिए जवाबदेह ठहराए जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने दलबदलुओं के खिलाफ भी चेतावनी दी। खड़गे दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हुई शर्मनाक पराजय के बाद आज यहां इंदिरा भवन स्थित पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय महासचिवों और राज्य प्रभारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पार्टी नेताओं से जमीनी स्तर पर काम करने और बूथ स्तर से पार्टी को मजबूत करने तथा ऐसे -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बेरोजगारी पर कांग्रेस ने केंद्र को घेरा, कहा–

रोजगार के लिए युवा जा रहे विदेश, सरकार भटका रही ध्यान

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अब बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने दावा किया कि देश में स्थिति इतनी खराब है कि युवा रोजगार की तलाश में विदेश जाने को मजबूर हैं। जबकि मोदी सरकार लगातार देश का ध्यान भटकाने में लगी हुई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की। इसमें मर्सर–मेटल के इंडियाज ग्रेजुएट स्किल इंडेक्स 2025 के हवाले से कहा गया कि देश में केवल 42.6 फीसदी स्नातक ही रोजगार के लिए योग्य हैं। जबकि 57.4 फीसदी को काम ही नहीं मिल पाया है। जयराम रमेश ने लिखा कि आज युवा बेरोजगारी से हताश और निराश हैं। हालात इतने खराब हैं कि लाखों युवा विदेशों में जाकर रोजगार ढूंढने को मजबूर हैं, लेकिन मोदी सरकार रोजगार सृजन की बजाय लगातार देश का ध्यान भटकाने में जुटी रहती है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के भयावह आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में 57.4 प्रतिशत ग्रेजुएट बेरोजगार हैं, क्योंकि डिग्री और कौशल में अंतर मानते हुए प्राइवेट कंपनियां व उद्योग उन्हें रोजगार के योग्य नहीं मान रहे। जबकि मोदी सरकार का पूरा ध्यान अपने कुछ चुनिंदा मित्रों को फायदा पहुंचाने पर है, जिस कारण भारत में आधे से ज्यादा युवा नौकरी पाने में नाकाम रहते हैं। जयराम रमेश ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं, लेकिन अगर वे ही बेरोजगार रहेंगे, तो विकास कैसा? सरकार जवाब दे कि शिक्षा प्रणाली को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप क्यों नहीं बदला गया? कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा में कब लाया जाएगा? डिग्रीधारी युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए सरकार की रणनीति क्या है? पहले भी कांग्रेस अर्थव्यवस्था संभालने के तरीके और बढ़ती बेरोजगारी, मूल्य वृद्धि को लेकर सरकार पर हमला करती रही है। पार्टी नेता जयराम रमेश ने कहा था कि मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण लगातार बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई ने निम्न और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए जीवन को को बहुत कठिन कर दिया है।

गौहाटी एचसी ने यूट्यूबर आशीष चंचलानी को जमानत दी

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने यूट्यूबर आशीष चंचलानी को सार्वजनिक रूप से सुलभ ऑनलाइन शो में कथित तौर पर अश्लीलता को बढ़ावा देने के मामले में मंगलवार को अंतरिम जमानत दे दी। चंचलानी असम मामले में नामित व्यक्तियों में से एक है, जिसमें पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया को यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लैटेंट पर उनकी विवादास्पद टिप्पणियों के कारण मुख्य आरोपी बनाया गया है। आरोपी चंचलानी की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति मृदुल कुमार कलिता की एकल पीठ ने चंचलानी को अंतरिम राहत प्रदान की और उन्हें 10 दिनों के भीतर जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने को कहा।

आईएएस नियाज खान ने दिया बड़ा बयान, कहा–

भारत में सभी लोग हिंदू इस्लाम तो अरब का धर्म

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के आईएएस अधिकारी नियाज खान एक बार फिर से अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। इस बार नियाज खान ने धर्म से जुड़े मामले को लेकर टिप्पणी की है और कहा कि भारत में सभी लोग हिंदू थे, इस्लाम धर्म अरब देशों से आया है। आईएएस अफसर नियाज खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया और लिखा कि इस्लाम तो अरब का धर्म है, यहां तो सभी हिंदू। हिंदू से लोग मुस्लिम बनाए गए थे, इसलिए भले ही धर्म अलग–अलग हो, लहू तो एक ही है। सभी एक संस्कृति का हिस्सा रहे हैं। अगर जो मुस्लिम अरब के लोगों को आदर्श मानते हैं वो पुनर्विचार करें। सर्वप्रथम हिंदुओं को अपना भाई माने, बाद में अरब को– आईएएस नियाज खान। अपने पोस्ट को लेकर सफाई देते हुए नियाज खान ने कहा कि मैंने जो भी बातें कही है, वो वैज्ञानिक आधार पर कही है। भारत में रहने वाले सभी लोग हिन्दू हैं, चाहें तो इस बात को साबित कराने के लिए जीन्स की जांच करा ली जाए। उन्होंने कहा कि, मुझे फतवों से डर नहीं लगता है, जिसे समझ नहीं है वो पढ़ाई लिखाई करें। इससे पहले भी नियाज खान अपनी ट्वीट को लेकर चर्चा में आ चुके हैं। इसके साथ ही नियाज खान की किताब भी काफी चर्चा में थी। द कश्मीर फाइल्स फिल्म जब रिलीज हुई थी, उस वक्त भी नियाज खान ने विवादित ट्वीट किया था।

बिना नोटिस अफगानों को जबरन देश से निकाल रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अफगान दूतावास ने बुधवार को चेतावनी दी कि पाकिस्तान सभी अफगान शरणार्थियों को देश से निकालना चाहता है और उनका निष्कासन जल्द होने की आशंका है। दूतावास ने पाकिस्तान की योजनाओं के बारे में कड़े शब्दों में बयान जारी करते हुए कहा कि राजधानी इस्लामाबाद और पास के शहर रावलपिंडी में अफगान नागरिकों को गिरफ्तार किया जा रहा है, उनकी तलाशी ली जा रही है और पुलिस उन्हें जुड़वां शहरों को छोड़कर पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में जाने का आदेश दे रही है। इसमें कहा गया है कि अफगानों को हिरासत में लेने की इस प्रक्रिया के बारे में इस्लामाबाद में अफगानिस्तान के दूतावास को किसी औपचारिक पत्राचार के माध्यम से आधिकारिक तौर पर सूचित नहीं किया गया है। बिना किसी औपचारिक घोषणा के इसे शुरू किया गया है। पाकिस्तान में अवैध रूप से रह रहे लाखों लोगों के अलावा, लगभग 14.5 लाख अफगान नागरिक शरणार्थी के रूप में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग (यूएनएचसीआर) में पंजीकृत हैं। इस्लामाबाद स्थित अफगान दूतावास ने बुधवार को एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि पाकिस्तान जल्द ही सभी अफगान शरणार्थियों को देश से निकाल सकता है। दूतावास के अनुसार, राजधानी इस्लामाबाद और पास के शहर रावलपिंडी में अफगान नागरिकों की गिरफ्तारियां और तलाशी अभियान तेज कर दिए गए हैं। अफगान दूतावास के बयान में कहा गया कि पुलिस अफगान नागरिकों को हिरासत में लेकर उन्हें इस्लामाबाद और रावलपिंडी छोड़कर पाकिस्तान के अन्य इलाकों में जाने का आदेश दे रही है। इसके अलावा, दूतावास का कहना है कि पाकिस्तान सरकार ने इस निष्कासन प्रक्रिया की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है और न ही इस बारे में कोई औपचारिक सूचना भेजी गई है। पाकिस्तान में लगभग 14.5 लाख अफगान शरणार्थी संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग (एनएचसीआर) में पंजीकृत हैं। इसके अलावा, लाखों अफगान नागरिक बिना कानूनी दस्तावेजों के पाकिस्तान में रह रहे हैं जिन्हें अब देश से बाहर निकाले जाने की संभावना बढ़ गई है। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों को लेकर सख्त कदम उठाए हैं। पिछले साल भी पाकिस्तान ने अवैध रूप से रह रहे अफगानों को देश छोड़ने के लिए अल्टीमेटम दिया था जिसके बाद हजारों शरणार्थी अफगानिस्तान लौटने पर मजबूर हुए थे। तालिबान सरकार ने पहले भी पाकिस्तान की इस नीति का विरोध किया था और इसे अफगान शरणार्थियों के मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया था।

बालूघाट हेलिपैड में जुए के अड्डे पर छापा एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। बालूघाट हेलिपैड इलाके में बुधवार दोपहर को अवैध जुए (तीर) के अड्डे पर छापा मारकर पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपित के पास से एक लाल और काले रंग की टीवीएस एनटॉर्क स्कूटी (एएस 01 एफएफ 5919) बरामद की। साथ ही, जुआ खेलने में प्रयुक्त कई आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई, जिसमें एक ग्रे रंग का ओप्पो 59 एंड्रॉइड मोबाइल, एक तीर बुक जिसमें तीर नंबर दर्ज थे और 1,830 रुपए नकद शामिल हैं। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान बिष्णु साव (34) के रूप में हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

आप का नए सिरे से होगा पुनर्गठन : गोपाल राय

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी मुख्यालय में बुधवार को अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व मेंकार्यकारिणी की बैठक हुई। इसमें दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों के पर्यवेक्षक, अध्यक्ष और संगठन मंत्री शामिल हुए। इस दौरान सभी ने अपनी–अपनी विधानसभाओं की मौखिक रिपोर्ट सामने रखी है। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष गोपाल राय ने बताया कि बैठक में तय हुआ कि संगठन के पुनर्गठन से पहले सभी पदाधिकारी अगले दस दिनों में चुनाव में अपनी भूमिका पर रिपोर्ट पेश करेंगे। गोपाल राय ने कार्यकारिणी की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में बताया कि आज सभी 70 विधानसभाओं के पदाधिकारियों के साथ बैठक की है। सभी लोगों के विचारों और अनुभवों को सुनने के बाद हमने निर्णय लिया है कि संगठन के पुनर्गठन से पहले सभी पदाधिकारी से उनकी चुनाव में निभाई गई भूमिका की रिपोर्ट अगले दस दिनों में प्रदेश कार्यालय में सौंपने को कहा गया है। गोपाल राय ने इस दौरान दिल्ली के नए सीएम के चयन प्रक्रिया पर भी सवाल उठाया। आम आदमी पार्टी के नेता गोपाल राय ने कहा कि चुनाव में जिन लोगों की सकारात्मक और नकारात्मक भूमिका रही इसकी रिपोर्ट सौंपी जाएंगी। इस रिपोर्ट के आधार पर आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल से चर्चा करके नए सिरे से संगठन का पुनर्गठन होगा। जिन्होंने सकारात्मक काम किया है उन्हें जिम्मेवारी दी जाएगी और जिन्होंने नकारात्मक भूमिका रही है उन कार्यवाही होगी। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष गोपाल राय ने भाजपा विधायक दल की बैठक पर बात करते हुए चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि किसी परिवार, किसी राज्य या देश के स्तर पर भी यह पहला निमंत्रण पत्र है, जिसके वितरण के बाद भी पता नहीं है कि मुख्यमंत्री कौन है? उन्होंने कहा कि विधायक दल की बैठक से पहले ही शपथ ग्रहण का कार्ड छप गया। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया है कि विधायक दल की बैठक में नाम तय होने के बाद राज्यपाल तारीख देता है, फिर शपथ की तैयारी होती है और फिर कार्ड छपते हैं। मुख्यमंत्री तय नहीं हो रहा था तो प्रक्रिया तो पूरी हो जाने देते। आपके एलजी हैं, आपकी सरकार है, उसका मतलब यह थोड़ी न है कि प्रक्रिया का पालन ही नहीं होगा। वहीं, नेता प्रतिपक्ष के सवाल पर कहा कि नेता प्रतिपक्ष से पहले नेता का चयन होता है।

भारी मात्रा में चोरी का सामान बरामद एक कबाड़ी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस ने आठ माइल इलाके में अभियान चलाकर भारी मात्रा में चोरी की सामग्री समेत एक कबाड़ी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर वशिष्ठ थाना प्रभारी कपिल पाठक के नेतृत्व में आठ माइल इलाके में स्थित हनुमान मंदिर के पास एक कबाड़ी की दुकान में अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान एक किचन की चिमनी, पीवीसी इलेक्ट्रिक वायर लगभग 6 किलो, एक 12 वोल्ट की बैटरी, एक सिंगल टेलर स्विंग मशीन, बाइक की टूटी हुई चैन स्पॉकेट, बाथरूम के मैटेरियल्स, शावर टेप आदि बरामद किया गया। पुलिस ने चोरी की सामग्री समेत कबाड़ी के दुकान के मालिक ताजीमुल अली (26) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ कर रही है।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य की समृद्ध संस्कृति...

बागानों के पारंपरिक झुमुर नृत्य को प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह शिखर सम्मेलन निवेशकों को आकर्षित करने के अलावा वैश्विक दर्शकों के लिए असम की समृद्ध परंपराओं को प्रदर्शित करने का एक मंच है। इस कार्यक्रम में 7,500 से ज्यादा नर्तक और कलाकार शामिल होंगे और शानदार झुमुर नृत्य प्रदर्शन होगा। मुख्यमंत्री ने पहले कहा था कि यह एक असाधारण शो होगा। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मास्टर ट्रेनिंग वर्कशॉप, निर्वाचन क्षेत्र स्तर के सत्र, जिला स्तर पर प्रदर्शन और गुवाहाटी में अंतिम रिहर्सल के जरिए बेहतरीन क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। शिखर सम्मेलन के किसी भी दिन आयोजित होने वाले इस संगीत कार्यक्रम का वहां उपस्थित लोगों पर स्थायी प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। यह कार्यक्रम असम द्वारा सबसे बड़े बिहू नृत्य प्रदर्शन के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के बाद आयोजित किया गया है। एडवांटेज असम 2.0, जो 2018 में लॉन्च होने के बाद से अंतर्राष्ट्रीय निवेशक शिखर सम्मेलन का दूसरा संस्करण है, का लक्ष्य राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास और निवेश को बढ़ाना है। दो दिवसीय इस आयोजन से भारत और विश्व भर से निवेशकों के आकर्षित होने की उम्मीद है, जिससे देश में एक नए निवेश गंतव्य के रूप में असम की स्थिति मजबूत होगी।

डिमा हसाउ : बाढ़ग्रस्त कोयला...

बाद में, चारों शवों की बरामदगी के बाद आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा की गई। इस प्रकार से सभी नौ श्रमिकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इससे पहले बचाव दल ने आठ जनवरी को एक शव और 11 जनवरी को तीन शव बरामद किए थे। उल्लेखनीय है कि छह जनवरी को सुबह करीब 9:00 बजे, डिमा हसाउ जिले के अंतर्गत असम–मेघालय अंतर–राज्यीय सीमा पर उमरांग्सू थाने से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित कलामाटी के सुदूर 3 किलो क्षेत्र में लगभग 300 फीट गहरी असम कोयला खदान नंबर 19 में अचानक आए पानी से नौ श्रमिक फंस गए थे। उन्हें बचाने के लिए भारतीय सेना, वायु सेना, नौसेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, असम राइफल्स, ओएनजीसी सहित विभिन्न बचाव एजेंसियों को तैनात किया गया था। यद्यपि 11 जनवरी तक चार श्रमिकों के शव बरामद कर लिए गए थे, लेकिन खोज एवं बचाव एजेंसियां पांच श्रमिकों को बचाने में असफल रहीं। परिणामस्वरूप, 18 जनवरी को भारतीय सेना और नौसेना सहित विभिन्न बचाव एजेंसियों ने अपना अभियान रोक दिया और वापस लौट गईं। बाद में, एनडीआरएफ की पहली बटालियन तैनात की गई। उनके प्रयासों की बदौलत आज सभी श्रमिकों के शव बरामद कर लिए गए। इस बीच, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में मोरीगांव में आयोजित कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया था कि कोयला खदानों में मरने वाले नौ श्रमिकों के परिजनों को 10 लाख रुपए की एकमुश्त वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार, 18 जनवरी को राज्य सरकार ने उमरांग्सू में मारे गए तथा लापता सभी नौ श्रमिकों के परिजनों को 10–10 लाख रुपए की एकमुश्त वित्तीय सहायता प्रदान की थी। इसके अलावा राज्य के खान एवं खनिज संसाधन मंत्री कौशिक राय ने भी इस संबंध में जानकारी दी थी।

दिल्ली की नई ...

परिषद (एबीवीपी) से शुरू हुआ। वहीं, साल 1996–97 में वह दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डीयूएसयू) की अध्यक्ष बनीं। इसके बाद 2007 और 2012 में उन्होंने नॉर्थ पीतमपुरा से नगर निगम पार्षद का चुनाव जीता। 2022 में वह दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के मेयर पद की भाजपा उम्मीदवार भी रहीं। साल 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में उन्होंने शालीमार बाग सीट से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी को 29,595 वोटों के अंतर से हराया। फिलहाल, अब रेखा गुप्ता सीएम बन गई हैं। अब उनके शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। गुरुवार सुबह 11 बजे के बाद यह भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें 25 से 30 हजार लोगों को न्योता भेजा गया है। इस समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, निवर्तमान मुख्यमंत्री आतिशी और दिल्ली कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष देविंदर यादव को भी आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा, भाजपा के कई शीर्ष नेता और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस शपथ ग्रहण समारोह का हिस्सा बनेंगे। दिल्ली की राजनीति में यह एक बड़ा बदलाव है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी (आप) ने लगातार तीन बार सरकार बनाई थी, लेकिन इस बार भाजपा ने सत्ता में वापसी कर ली है। रेखा गुप्ता को अब राजधानी की नई दिशा तय करनी होगी और जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। उनके सामने कई चुनौतियां होंगी, लेकिन पार्टी और उनके समर्थकों को विश्वास है कि वह अपने कार्यकाल में दिल्ली के विकास को नई ऊंचाई तक पहुंचाएंगी। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग सीट से आम आदमी पार्टी की बंदना कुमारी को 29,595 वोटों से हराया था। रेखा गुप्ता को 68,200 वोट मिले, जबकि बंदना कुमारी ने सिर्फ 38,600 वोट पाए थे। वहीं, वजीरपुर सीट से भाजपा की पूनम शर्मा ने आप के नीरज गुप्ता को हराकर जीत हासिल की। ग्रेटर कैलाश सीट से भाजपा की शिखा रॉय ने आप के बड़े नेता सौरभ भारद्वाज को 3,188 वोटों के अंतर से हराया। इन जीतों के साथ भाजपा ने दिल्ली में अपनी मजबूत वापसी दर्ज कराई। इसके साथ ही भाजपा की चौथी महिला विधायक नजफगढ़ सीट से भाजपा नेता नीलम पहलवान ने विजय पताका फहराया था। हालांकि, इन चारों महिला विधायकों में से रेखा गुप्ता को सीएम बनाया गया।

भारी हंगामा के चलते...

सत्तापक्ष के विधायक सदन के आसन के सामने पहुंचकर बजट सत्र के पहले दिन सदन में पेश एपीएससी भ्रष्टाचार से संबंधित बिप्लव शर्मा की रिपोर्ट पर चर्चा की मांग की। जबकि कांग्रेस पार्टी के सदस्यों ने पिछले दिनों डिमा हसाओ जिले में हुए कोयला खदान हादसे को लेकर चर्चा की मांग की तो एआईयूडीएफ के सदस्यों ने अन्य मुद्दों लेकर सभा स्थगन का प्रस्ताव पेश किया था। अध्यक्ष द्वारा सभा स्थगन के प्रस्ताव पर अपनी रूलिंग देने के लिए बोलना आरंभ ही किया था कि सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के सदस्य अपनी–अपनी मांगों को लेकर जोरदार हंगामा करने लगे। हालांकि, विस अध्यक्ष ने शोर–शराबे के बीच सभा स्थगन के सभी चारों प्रस्तावों को खारिज करते हुए कहा कि शून्यकाल में पूर्व कार्यक्रम के तहत राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा निर्धारित है। भारी शोर के बीच अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित की। जैसे ही सदन की कार्यवाही पुन: आरंभ हुई तो स्थिति पहले वाली ही बन गयी। जिसके बाद फिर से 10 मिनट के लिए सदन स्थगित किया गया। अध्यक्ष ने फिर से सदन को चलाने की कोशिश की, लेकिन दोनों पक्ष अपनी–अपनी मांगों पर अड़े रहते हुए हंगामा किया। इसके चलते फिर से एक बार सदन को 20 मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा। इस बीच विपक्ष के सदस्य अखिल गोगोई को सदन की कार्यवाही से लिए 10 मिनट के लिए अध्यक्ष ने बाहर कर दिया था। सदन के बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सदन के नेता प्रतिपक्ष देवब्रत सैकिया ने कहा कि हमने लगभग 40 दिन पहले डिमा हसाओ जिले में अवैध कोयला खदान में विवाद पर चर्चा करने के लिए बैठक को स्थगित करने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन अध्यक्ष ने सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों द्वारा हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही को तीन बार स्थगित कर दिया। वहीं, सत्ता पक्ष एपीएससी भ्रष्टाचार पर सदन में दाखिल बिप्लव शर्मा की रिपोर्ट पर चर्चा करने की मांग करते हुए इसे राज्य का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार बताया है। रिपोर्ट पर चर्चा हुई तो कांग्रेस पार्टी को सदन में जवाब देने में काफी परेशानी होगी। हालांकि, रिपोर्ट का कांग्रेस ने स्वागत किया है।

महाकुंभ में तीन लाख...

ने बताया कि शुरुआती अनुमान के अनुसार 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने और दो लाख करोड़ रुपए के व्यापार की संभावना थी, लेकिन देशभर में इस आयोजन को लेकर अभूतपूर्व उत्साह के कारण अब 60 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है, जिससे कुल व्यापार तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक होने की संभावना है। महाकुंभ 2025 के दौरान कई व्यापारिक क्षेत्रों में बड़ा आर्थिक उछाल देखने को मिला। इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं: पर्यटन, होटल और आवास सेवाएं, खाद्य और पेय पदार्थ उद्योग, परिवहन और लॉजिस्टिक्स, पूजा सामग्री, धार्मिक वस्त्र और हस्तशिल्प, हेल्थकेयर और वेलनेस सेवाएं, मीडिया, विज्ञापन और मनोरंजन उद्योग, स्मार्ट टेक्नोलॉजी, सीसीटीवी, टेलीकॉम और एआई आधारित सेवाएं। महाकुंभ के कारण केवल प्रयागराज ही नहीं, बल्कि 150 किमी के दायरे में स्थित शहरों और कस्बों में भी व्यापार में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसके अलावा, अयोध्या, वाराणसी और अन्य धार्मिक स्थलों पर भी श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि हुई है, जिससे वहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। महाकुंभ को सफल बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रयागराज के सड़क, फ्लाईओवर और अंडरपास के निर्माण एवं सुधार पर 7500 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इस राशि में से 1500 करोड़ रुपए विशेष रूप से महाकुंभ की व्यवस्थाओं के लिए आवंटित किए गए थे। इससे न केवल प्रयागराज में बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी यातायात और नागरिक सुविधाओं में सुधार हुआ है।

नगांव जेल से कैदी ...

हुए, मुख्य जेल वार्डन देबोजीत दत्ता को निलंबित कर दिया गया है, जो जेल प्रणाली में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय जेल के अंदर व्यापक कुप्रबंधन और परिचालन संबंधी खामियों के आरोपों के बीच लिया गया है। गृह विभाग ने आश्वासन दिया है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा खामियों की पहचान करने और उन्हें सुधारने के लिए आगे की जांच चल रही है।

सरकार ने आठ ...

थे, और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अधिकारी ने कहा कि अब तक अस्पतालों से 1.18 करोड़ रुपए का जुर्माना वसूला गया है। यह जुर्माना मरीजों द्वारा अपनी जेब से किए गए खर्च के लिए लगाया गया है। इस योजना में नकद रहित लाभ का प्रावधान है, लेकिन अस्पताल मरीजों से अपनी जेब से पैसे वसूलते पाए गए। मरीजों से लिए गए पैसे जुर्माने की राशि से उन्हें वापस कर दिए गए। अधिकारी ने बताया कि पिछले वर्ष लगभग 4.5 लाख दावे किए गए थे, तथा सत्यापन के लिए बहुस्तरीय लेखापरीक्षा और निगरानी प्रणाली लागू की गई है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले एक बैक–एंड एजेंसी दावों की जांच करती है, जिसके बाद मेडिकल और तकनीकी टीमों द्वारा अलग–अलग सत्यापन किया जाता है। पूरी प्रणाली ऑनलाइन है। एक धोखाधड़ी–रोधी इकाई भी स्थापित की गई है, जो दावों के एक निश्चित प्रतिशत की पुन: जांच करती है। वे लाभार्थियों से मिलने और उनसे बातचीत करके क्षेत्र सत्यापन भी करते हैं। एक एआई–आधारित प्रणाली भी संदिग्ध दावों के लिए ट्रिगर उत्पन्न करती है। असम में अब तक 1.72 करोड़ से ज्यादा आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। 183 सरकारी और 183 निजी अस्पताल हैं। अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 तक अस्पतालों के 550.47 करोड़ रुपए के दावे वितरित किए जा चुके हैं। एबी–पीएमजेएवाई सरकार की एक प्रमुख योजना है, जो द्वितीयक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपए का स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करती है।

भारत जाने वाले ...

पत्र (एनओसी) जारी करने पर विचार कर सकती है। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस मामले से उत्पन्न समस्याओं के समाधान के लिए एक हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है और इसके माध्यम से वह भारतीय सरकार से लगातार संपर्क में है। नेपाल के शिक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा कि हम चाहते हैं कि केआईआईटी में पढ़ाई करने वाले नेपाली छात्रों को एक सुरक्षित और अनुकूल माहौल मिले, ताकि उनकी शिक्षा जारी रह सके। हम विदेश मंत्रालय के माध्यम से भारत सरकार के साथ इस मुद्दे पर समन्वय कर रहे हैं। इस मामले ने नेपाल की संसद में भी उबाल मचाया, जहां सांसदों ने केआईआईटी प्रशासन और भारतीय अधिकारियों से इस मामले की गहन जांच की मांग की। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भी ट्वीट करके नेपाली छात्रों से अपील की कि वे सुरक्षित रहें और जरूरत पड़ने पर वापस घर लौट आएं। विरोध प्रदर्शन तब और बढ़ गए जब कुछ कर्मचारियों का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने अपमानजनक बयान दिए थे, जिससे छात्र समुदाय में और आक्रोश पैदा हुआ। केआईआईटी प्रशासन ने इन कर्मचारियों को निलंबित कर दिया और आधिकारिक रूप से माफी मांगी। अब तक इस मामले में कुल 6 लोग गिरफ्तार किए गए हैं, जिनमें छात्रा का एक साथी छात्र, केआईआईटी के तीन निदेशक और दो सुरक्षा गार्ड शामिल हैं। ओडिशा सरकार ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच के लिए एक समिति गठित की है। नेपाल सरकार की कड़ी प्रतिक्रिया ने इस घटना को एक अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे में बदल दिया है, और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।

भारत में जल्द आ...

कदम देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ी क्रांतिकारी पहल साबित हो सकता है। इसके अलावा सरकार ने कैंसर की पहचान और इलाज को और बेहतर बनाने के लिए एक और योजना की घोषणा की है। सरकार ने 30 साल से ऊपर की महिलाओं के लिए अस्पतालों में कैंसर की स्क्रीनिंग शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, ताकि कैंसर का पता जल्दी लगाया जा सके, डे केयर कैंसर सेंटर भी स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों में महिलाओं को कैंसर के इलाज और जांच की सुविधा मिल सकेगी। केंद्र सरकार ने कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाइयों पर सीमा शुल्क भी माफ कर दिया है, जिससे इन दवाइयों की कीमत में कमी आएगी और लोगों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। यह कदम उन महिलाओं के लिए राहत की खबर साबित होगा, जो कैंसर का इलाज करवा रही हैं। मंत्री ने यह भी बताया कि यह कैंसर टीका खासकर 9 से 16 साल की लड़कियों के लिए उपलब्ध होगा। यह टीका स्तन, मुख और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से बचाव करेगा, जिससे लाखों महिलाओं को इसके खतरों से सुरक्षा मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि स्वास्थ्य केंद्रों को आयुष केंद्रों में बदला जाएगा। देशभर में ऐसे 12,500 स्वास्थ्य केंद्र हैं और इन केंद्रों का विस्तार किया जाएगा, ताकि लोग इन सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें।

चुनाव परिणामों के ...

लोगों को बढ़ावा देने का आग्रह किया, जो संगठन के प्रति वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध हैं। संगठन को राज्य मुख्यालय से बूथ तक जल्द से जल्द मजबूती से खड़ा करना होगा। इस काम के लिए खुद बूथ तक जाना होगा, मेहनत करनी होगी और कार्यकर्ताओं से सम्पर्क साधना होगा। अगर आप खुद निचले स्तर पर बूथ, मंडल और ब्लॉक स्तर पर जाएंगे, जिला और राज्य स्तर पर जाएंगे तो वहां नए लोगों को जोड़ पाएंगे। भरोसेमंद और विचारों से मजबूत लोगों को अपने साथ ला पाएंगे। पार्टी के आनुषंगिक संगठनों को इसमें भागीदार बनाना होगा। श्रमिक संगठन इंटक की चर्चा करते हुए खड़गे ने कहा कि वो हमारे अहम हिस्सा हैं, उन्हें भी संगठन निर्माण में भागीदार बनाइए। ऐसे लोग जो पार्टी के लिए बहुत कारगर हो सकते हैं लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला तो उन्हें आप आगे ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें कांग्रेस के आदर्शों के प्रति संकल्पित ऐसे लोगों को आगे बढ़ाना चाहिए, जो विपरीत माहौल में भी चट्टान की तरह हमारे साथ खड़े रहें। इन दिनों पार्टी का *संविधान बचाओ अभियान* चल रहा है। जय बापू, जय भीम, जय संविधान कार्यक्रम बेलगांव में हमने तय किया था। ये अगले एक वर्ष तक चलेगा। इसके तहत पदयात्रा, संवाद, नुक्कड़ सभा जैसी गतिविधियां चलाई जा सकती हैं लेकिन ऐसे हर कार्यक्रम का लक्ष्य संगठन का सशक्तीकरण होना चाहिए। खड़गे ने लोकसभा में राहुल गांधी के उस सवाल का जिक्र किया, जिसमें राहुल ने चुनावों में मतदाता सूचियों में हेरफेर का मुद्दा उठाया था। इसी तरह मुख्य चुनाव आयुक्त की चयन समिति से सीजेआई को बाहर करने की चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि देश में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को मोदी सरकार रोकने में विफल साबित हुई है। अमेरिका द्वारा अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट करने का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ठीक तरीके से विरोध दर्ज नहीं करा सकी। आर्थिक मामलों में भी अमेरिका हम पर गहरी चोट कर रहा है। हम पर उलटा टैरिफ लगा दिया लेकिन प्रधानमंत्री ने इसका विरोध तक नहीं किया। अमेरिका हम पर जबरदस्ती घाटे का सौदा थोप रहा है, जिसे हमारी सरकार चुपचाप मान ले रही है। ये साफ–साफ हिंदुस्तान और हिंदुस्तान के लोगों का अपमान है। खड़गे ने जोर देकर कहा कि देश में जो हालात हैं, उसे देखते हुए अगले 5 साल हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम जनता के मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष और जन आंदोलन करके मुख्य विपक्ष की भूमिका में उभरने का प्रयास करें। इससे ही हम लोगों की पहली पसंद बनेंगे।

राज्य से 30,115...

1971 के बाद आए। मंत्री ने कहा कि सरकार ने अब तक असम से 30,115 अवैध विदेशियों को निर्वासित किया है, हालांकि उन्होंने उनके मूल देश का विवरण साझा नहीं किया। असम समझौते पर 1985 में छह साल तक चले हिंसक विदेशी विरोधी आंदोलन के बाद हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौते में अन्य प्रावधानों के अलावा यह भी कहा गया था कि 25 मार्च 1971 को या उसके बाद असम आने वाले सभी विदेशियों के नाम का पता लगाया जाएगा और उन्हें मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा तथा उन्हें निर्वासित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। मंत्री ने यह भी कहा कि असम समझौते पर न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिप्लब कुमार शर्मा समिति की रिपोर्ट में 67 सिफारिशें की गई हैं, जिनमें से 52 राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती हैं। उन्होंने कहा कि हमने 52 सुझावों को लागू करने का निर्णय लिया है। हमने इन सिफारिशों के क्रियान्वयन के लिए पहले ही कदम उठा लिए हैं। भारत–बांग्लादेश सीमा पर कंटीले तारों की बाड़ लगाने के संबंध में बोरा ने एक अलग उत्तर में कहा कि पड़ोसी देश के साथ कुल 267.5 किलोमीटर अंतर्राष्ट्रीय सीमा में से 228.541 किलोमीटर पर काम पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि कुल सीमा में से 171.507 किलोमीटर भूमि पर है और शेष 95.993 किलोमीटर जल में है।

दिन में 18 घंटे सेवा करते हैं मुख्यमंत्री शर्मा : चक्रधर गोगोई

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा विधायक चक्रधर गोगोई ने कहा है कि कोई अभिनेता तीन घंटे पर्दे पर कार्य करके और कोई खिलाड़ी आठ घंटे मैदान में खेलकर वाहवाही लूट लेता है, लेकिन असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा दिन में 18 घंटे राज्य की सेवा करते हैं, बावजूद इसके विपक्षी दल संतुष्ट नहीं होते। विधायक चक्रधर गोगोई बुधवार को असम विधानसभा के चालू बजट सत्र के दूसरे दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर विधायक रूपक शर्मा के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग ले रहे थे। इस चर्चा में आज सत्ता और प्रतिपक्ष के कुल 12 विधायकों ने हिस्सा लिया। जबकि, गुरुवार को इस चर्चा में अन्य 30 विधायक हिस्सा लेंगे। बीच-बीच में टोका टोकी के बावजूद धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा पूरे समय होती रही। बाद में सदन की कार्यवाही का समय पूरा होने के बाद अध्यक्ष बिश्वजीत दैमारी ने अगले दिन के लिए तक के लिए सभा स्थगन की घोषणा की। विधायक गोगोई ने कहा कि मुख्यमंत्री के अथक परिश्रम के कारण ही आज राज्य विकसित असम की ओर अग्रसर हो रहा है। असम का स्वरूप बदल रहा है। विपक्षी दलों द्वारा सरकार के अच्छे कार्यों की भी आलोचना किए जाने को विधायक ने दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा कि यह सरकार सच्चे अर्थों में सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। गांव से लेकर चाय बागानों तक सभी का विकास किया जा रहा है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई- सभी के लिए न्यायपूर्ण तरीके से सरकार कार्य कर रही है। विधायक गोगोई ने विपक्ष पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दिनों में जहां असम समझौता के क्रियान्वयन के लिए कुछ भी नहीं किया गया। काजीरंगा तथा अन्य स्थानों पर अतिक्रमणकारियों के लिए सड़क, बिजली, पेयजल आदि की सुविधा सरकार द्वारा कर दी गई। कांग्रेस सरकार के दिनों में मारे गए 856 शहीदों के साथ उपेक्षापूर्ण बर्ताव किया गया। लेकिन, इस सरकार ने जहां काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से लेकर बटद्रवा सत्र तथा अन्य स्थानों पर राज्य की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाया। वहीं, असम समझते की क्रियान्वयन की दिशा में कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं। 856 असम आंदोलन के शहीदों के प्रति सम्मानजनक बर्ताव किए गए हैं। वहीं, धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए विपक्षी दल के विधायक अमीनुल इस्लाम ने कहा कि सरकार सबका साथ, सबका विकास के नाम पर अल्पसंख्यकों के विरुद्ध कार्य कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार के समय में किसी का विकास तो किसी का विनाश किया जा रहा है। वहीं, कांग्रेस विधायक नुरूल हुदा ने कहा कि राज्य में 38 फीसदी अल्पसंख्यकों की जनसंख्या है, लेकिन इसके कल्याण के लिए सरकार कुछ नहीं कर रही है। यहां तक कि अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए बनाए गए अल्पसंख्यक कल्याण बोर्ड के लिए 2022-23 के बजट में 11.40 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, लेकिन सरकार ने राशि आवंटित नहीं की। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य से लेकर तमाम सुविधाओं की कमी है। जहां अस्पतालों में चिकित्सकों की संख्या नगण्य है, वहीं स्कूलों में शिक्षकों की कमी के कारण पठन-पाठन बुरी तरह दुष्प्रभावित हो रहा है। उन्होंने अल्पसंख्यकों को भूमि का अधिकार देने, अस्पतालों में चिकित्सकों तथा स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति करने की सरकार से मांग की। चर्चा में भाग लेते हुए विधायक बिमल हजारिका ने विधानसभा के पहले दिन का सत्र कोकराझाड़ में बुलाए जाने के लिए सरकार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस सरकार के समय में राज्य के विकास के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। अपने संबोधन में उन्होंने राज्य में सड़कों के विस्तार, मॉडल हाई स्कूलों, मॉडल आंगनबाड़ी केंद्रों, एक के बाद एक अनेक मेडिकल कॉलेजों आदि का निर्माण करने आदि के लिए सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस सरकार के समय में असम चिकित्सा महाविद्यालय, डिब्रूगढ़ को उन्नत किया गया है, जिससे मरीजों की देखभाल अच्छे तरीके से हो पा रही है। वहीं, उन्होंने कहा कि अस्पतालों की संख्या बढ़ जाने के कारण इस मेडिकल कॉलेज में भीड़ कम हो गई है, जिस कारण चिकित्सक मरीज को ठीक से समय दे पाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने बिहू नृत्य का वर्ल्ड रिकॉर्ड करने के बाद अब झूमर नृत्य का विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने जा रही है, जिससे असम की संस्कृति का विस्तार विश्व स्तर पर हो सकेगा। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब शाम के बाद राज्य अंधकार में डूब जाता था, लेकिन आज 24 घंटे बिजली लोगों को मिल रही है। चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस विधायक अब्दुर रशीद मंडल ने सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में तट कटाव के कारण 1947 से लेकर अब तक बेघर हुए राज्य के 50 लाख लोगों के पुनर्संस्थापन को लेकर कोई चर्चा नहीं की गई। उन्होंने कहा कि जहां अन्य जनजातीय बोर्डों को सरकार धन आवंटित कर रही है, वहीं अल्पसंख्यक कल्याण बोर्ड को धन नहीं दिया जा रहा है, जिससे सरकार की मनसा साफ झलकती है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा कमजोर वर्गों को नौकरी में 10 फीसदी आरक्षण देने संबंधी आदेश के बावजूद यह सरकार राज्य के अल्पसंख्यक कमजोर वर्गों को यहां आरक्षण नहीं दे रही है। उन्होंने सरकार पर कई आरोप लगाए। चर्चा में भाग लेते हुए विधायक गोविंद बसुमतारी ने कहा कि इस सरकार ने बोडोलैंड समझौता करके जहां क्षेत्र में स्थायी शांति बहाल की। वहीं, इस क्षेत्र में 1100 किलोमीटर रास्ते का निर्माण किया गया। यहां पहले एकमात्र कोकराझाड़ विश्वविद्यालय था।

असम में राजनीति का मूल्य गिर रहा : कांग्रेस अध्यक्ष

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष भूपेन बोरा ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि वे असम की राजनीति में मूल्यों के गिरते स्तर को देखकर स्तब्ध और व्यथित हैं। उन्होंने असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) में अनियमितताओं पर बनी जस्टिस बिप्लब शर्मा कमेटी की रिपोर्ट के जारी होने की टाइमिंग पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि 900 पन्नों की इस रिपोर्ट में से केवल पेज नंबर 502 को लेकर चर्चा की जा रही है, जिसमें दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई का नाम आया है। भूपेन बोरा ने कहा कि पूरा असम जानता है कि तरुण गोगोई ने डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पर कितना भरोसा किया था, लेकिन उन्होंने सत्ता के लिए गोगोई को धोखा दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एपीएससी भर्ती घोटाले के मुख्य दोषी राकेश पाल के घर से हिमंत विश्व शर्मा द्वारा सुझाई गई उम्मीदवारों की सूची मिली थी। साथ ही, तीन तत्कालीन मंत्रियों-गौतम रॉय सहित-ने गोगोई पर राकेश पाल को एपीएससी का चेयरमैन बनाने का दबाव डाला था, और वे सभी अब भाजपा में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट ऐसे समय पर जारी की गई है, जब सरकार अन्य बड़े मुद्दों से ध्यान हटाना चाहती है, जिनमें अवैध उमरांग्सू कोयला खदान में फंसे मजदूरों की समस्या प्रमुख है। भूपेन बोरा ने यह भी याद दिलाया कि तरुण गोगोई ने आधुनिक असम के निर्माण में वित्तीय स्थिरता से लेकर बुनियादी ढांचे के विकास तक महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि कम से कम तरुण गोगोई की पत्नी ने कभी राजस्व भूमि पर कब्जा कर भव्य रिसॉर्ट या स्कूल नहीं खोला। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूछा कि क्या वे कोयला घोटाले, नौकरी के लिए पैसे लेने के घोटाले, सिंडिकेट राज और विवादास्पद भूमि घोटाले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करने का साहस दिखाएंगे?

रंगिया : महा शिवरात्रि के अवसर पर महा रूद्र यज्ञ का आयोजन 25 से

रंगिया (विभास)। रंगिया के मिलनपुर स्थित नागेश्वर शिव मंदिर प्रांगण में इसवर्ष 36वीं महा शिवरात्रि पूजा के अंश स्वरूप महा रुद्र यज्ञ का आयोजन किया गया है। उल्लेखनीय है कि सन 1989 में स्थापित इस मंदिर में हरवर्ष शिवरात्रि के अवसर पर इसका आयोजन किया जाता आ रहा है। महायज्ञ के प्रारंभिक कार्यक्रम के रूप में मांगलिक कार्यक्रमों के साथ सोमवार को इसके लाईखुंटा की स्थापना की गई जोकि स्थानीय भक्तों की उपस्थिति में तथा पंडित के मंत्रोच्चार के साथ एवं मार्गदर्शन में किया गया। मालूम हो कि यह यज्ञ महोत्सव आगामी 25 फरवरी से तीन दिवसीय कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया जाएगा। वहीं इसके अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रम के अनुसार पहले दिन सुबह 7 बजे मंदिर प्रांगण में धार्मिक ध्वजारोहण और इसके पश्चात यज्ञ प्रारंभ किया जाएगा। इसके बाद स्मृति तर्पण, पौधरोपण, शोभायात्रा, दीप प्रज्वलन, आतिशबाजी, नगाड़ा नाम आदि का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों द्वारा कार्यक्रम में सभी भक्तों के उपस्थिति एवं मार्गदर्शन की कामना की गई है। साथ ही उम्मीद की गई है कि पूरे क्षेत्र के भक्तों की भागीदारी से यह आयोजन अधिक भक्तिपूर्ण और सफल होगा।

एडवांटेज असम : रंजीत दास की होटल प्रबंधकों के साथ बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में 25-26 फरवरी को गुवाहाटी में आयोजित होने जा रहे एडवांटेज असम 2.0 निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर समिट, 2025 से पहले बुधवार को पर्यटन मंत्री रंजीत कुमार दास ने गुवाहाटी के पांचसितारा होटलों समेत अन्य होटलों के प्रबंधकों, संचालकों और अधिकारियों के साथ विशेष बैठक की। गुवाहाटी के पलटन बाजार स्थित असम पर्यटन विकास निगम कार्यालय में हुई इस बैठक में मंत्री दास ने एडवांटेज असम 2.0 में शामिल होने आ रहे देशी-विदेशी प्रतिनिधियों और निवेशकों को असम की विशिष्ट आतिथ्य सेवा प्रदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य की समृद्ध परंपरा *अतिथि देवो भव:* के अनुरूप सभी होटल प्रबंधकों को मेहमानों को बेहतरीन अनुभव देने के लिए समर्पित प्रयास करने चाहिए, ताकि असम की सकारात्मक छवि वैश्विक स्तर पर पहुंचे। उन्होंने होटल संचालकों से अपने कर्मचारियों के साथ विशेष चर्चा कर इस आयोजन के महत्व को रेखांकित करने और राज्य के पर्यटन स्थलों की जानकारी देने पर जोर दिया। इसके साथ ही, असम पर्यटन विभाग द्वारा तैयार किए गए प्रचार सामग्री, ब्राउजर और वीडियो को होटल लॉबी में उपलब्ध कराने का सुझाव दिया, जिससे मेहमान राज्य की सांस्कृतिक और पर्यटन विशेषताओं से अवगत हो सकें। बैठक में असम पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष ऋतुपर्ण बरुवा, उपाध्यक्ष दिलीप कुमार दास, पर्यटन विभाग के निदेशक रनोज बरकटकी, महाप्रबंधक भास्वर बरुवा समेत गुवाहाटी के 37 होटलों के संचालक, प्रबंधक और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। होटल प्रबंधकों ने भी एडवांटेज असम 2.0 के प्रतिनिधियों और निवेशकों के स्वागत के लिए पूरी तैयारी होने की बात कही।

भूपेन बोरा के विरोधाभासी बयान पर भाजपा की तीखी प्रतिक्रिया

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता मनोज बरुवा ने कहा कि हाल ही में असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) भर्ती घोटाले पर न्यायमूर्ति बिप्लब कुमार शर्मा की रिपोर्ट ने कांग्रेस शासनकाल में लगाई गई नौकरियों के खुले बाजार की सच्चाई उजागर कर दी है। इससे कांग्रेस नेताओं, विशेष रूप से कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा में घबराहट फैल गई है। इस रिपोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत तरुण गोगोई और उनके बेटे सांसद गौरव गोगोई का नाम सामने आने के कारण प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा जनता को गुमराह करने के लिए अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा द्वारा आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के जवाब में भाजपा ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में असम के युवा समाज की प्रतिभा और योग्यता को नष्ट करने के लिए ऐतिहासिक भ्रष्टाचार और अनियमितताएं की गई थीं। अब कांग्रेस नेता इस घोटाले को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उनकी जिम्मेदारीहीनता स्पष्ट होती है। भाजपा ने आरोप लगाया कि भूपेन बोरा ने हमेशा असंगत और विरोधाभासी बयान दिए हैं। उन्होंने आज भी न्यायमूर्ति बिप्लब कुमार शर्मा की 6 नंबर दफा पर रिपोर्ट को सही बताया, लेकिन उसी न्यायमूर्ति की एपीएससी घोटाले पर रिपोर्ट को पक्षपाती करार दिया। भाजपा ने इसे कांग्रेस की दोहरी नीति करार दिया और कहा कि कांग्रेस पहले खुद इस रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग कर रही थी, लेकिन अब जब रिपोर्ट सामने आई है, तो वह इससे पलट रही है।

सिलचर कैंसर सेंटर में अत्याधुनिक पीईटी-सीटी सुविधा का उद्घाटन

सिलचर। सिलचर कैंसर सेंटर में एक नए युग की शुरुआत हुई है, क्योंकि अब बराक घाटी के मरीजों के लिए पीईटी-सीटी सुविधाएं उपलब्ध हैं। असम कैंसर केयर फाउंडेशन (एसीसीएफ) केंद्र में इस आधुनिक सुविधा के उद्घाटन से कैंसर के निदान और उपचार में व्यापक बदलाव आएगा। उद्घाटन समारोह में एसीसीएफ के मुख्य परिचालन अधिकारी डॉ. (मेजर जनरल) जय प्रकाश प्रसाद और सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के प्राचार्य एवं मुख्य अधीक्षक डॉ. मूर्तिकार गुप्ता हैं। उन्होंने इस अत्याधुनिक पीईटी-सीटी मशीन का आधिकारिक रूप से शुभारंभ करने के लिए रिबन काटा। बड़ी संख्या में डॉक्टरों, प्रशासनिक पेशेवरों और समाज के प्रमुख व्यक्तियों की उपस्थिति ने इस महत्वपूर्ण कदम को एक यादगार क्षण बना दिया। सिलचर सेंट्रल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विश्वजीत घोष ने उपस्थित सभी लोगों को हार्दिक बधाई दी तथा इस भव्य परियोजना की सफलता में अपना अमूल्य योगदान देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके बाद, पीईटी-सीटी प्रौद्योगिकी अनुसंधान विशेषज्ञ डॉ. इंद्रनील सिन्हाई आधुनिक कैंसर उपचार के क्षेत्र में इस उपकरण के महत्व की विस्तृत व्याख्या करते हैं। उन्होंने कहा कि पीईटी-सीटी की मदद से कैंसर के निदान और उपचार की गति में सुधार होगा तथा निदान की सटीकता भी बढ़ेगी। डॉ. अपने भाषण में जय प्रकाश प्रसाद ने आधुनिक ऑन्कोलॉजी में पीईटी-सीटी तकनीक की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आधुनिक उपकरण बराक घाटी के रोगियों के लिए आशा की किरण बनेगा। उनके अनुसार, अब सिलचर में विश्व स्तरीय चिकित्सा परीक्षण और उपचार आसानी से उपलब्ध होंगे, जिससे मरीजों को दूर जाने के बिना अपने ही क्षेत्र में उन्नत उपचार मिल सकेगा। सिलचर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. भास्कर गुप्ता ने कैंसर के उपचार के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी की आवश्यकता का हवाला देते हुए असम सरकार, एसीसीएफ और टाटा ट्रस्ट के संयुक्त प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस पीईटी-सीटी मशीन की स्थापना से बराक घाटी के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एक नया क्षितिज खुलेगा। उद्घाटन समारोह में कछार जिला प्रशासन की सहायक आयुक्त एवं कार्यकारी मजिस्ट्रेट जोनल देवी भी उपस्थित थीं। उन्होंने इस कदम को बराक घाटी की स्वास्थ्य प्रणाली में ऐतिहासिक सुधार बताया और इस प्रमुख परियोजना के कार्यान्वयन में शामिल सभी हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में भाजपा-कच्छ जिला अध्यक्ष रूपम साहा, सिलचर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. सुजीत नंदी पुरकायस्थ, विभिन्न चिकित्सा जगत के प्रतिष्ठित व्यक्ति, एसएमसीएच के विभिन्न विभागों के प्रमुख, डेंटल कॉलेजों और नर्सिंग कॉलेजों के प्रमुख, आईटीए और टीएआई के सदस्य, असम राइफल्स के प्रतिनिधि, लायंस क्लब ऑफ सिलचर सेंट्रल, लायंस क्लब ऑफ सिलचर लायंस और हजारों वैज्ञानिक उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. देबस्मिता दास ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित संबंधित व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस भव्य परियोजना को सफल बनाने के लिए अथक परिश्रम करने वाले सभी व्यक्तियों और संस्थाओं का योगदान अद्वितीय है। इस आधुनिक पीईटी-सीटी तकनीक के जुड़ने से बराक घाटी में बेहतर कैंसर उपचार का एक नया युग शुरू हुआ। बराक घाटी के मरीजों को निदान में अधिक सटीकता, उचित उपचार, तथा उच्च गुणवत्ता वाली जांच और निदान तक पहुंच से बहुत लाभ होगा। सिलचर क्षेत्रीय केंद्र की यह पहल पूरे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में सुधार लाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जाएगी। यह खबर सिलचर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय से एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से प्रकाशित की गई है।

मारवाड़ी हॉस्पिटल ने नर्सिंग शिक्षा पर कई कार्यक्रम आयोजित किया

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी अस्पताल की नर्सिंग टीम द्वारा *नर्सिंग: ड्राइविंग गुणवत्ता, रोगी सुरक्षा सुनिश्चित करना* पर एक दिवसीय सीएनई कार्यक्रम नेडफी हाउस, दिसपुर में एक सतत नर्सिंग शिक्षा (सीएनई) कार्यक्रम आयोजित किया गया। सीएनई का विषय नर्सिंग: ड्राइविंग गुणवत्ता, रोगी सुरक्षा सुनिश्चित करना था। सीएनई में मुख्य अतिथि श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. (प्रो) ध्रुवज्योति बोरा थे और विशिष्ट अतिथि असम नर्स मिडवाइव्स एंड हेल्थ विजिटर्स काउंसिल के रजिस्ट्रार डॉ. अविजित बसु थे। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह करीब 9.30 बजे दीप प्रज्ज्वलन और मुख्य अतिथि द्वारा परिचयात्मक भाषण के साथ हुई, जिसके बाद विशिष्ट अतिथि ने भाषण दिया। उद्घाटन सत्र में उपस्थित अन्य गणमान्यों में मारवाड़ी अस्पताल के महासचिव किशोर कुमार साबू, मारवाड़ी अस्पताल के निदेशक चिकित्सा सेवा डॉ. जेपी शर्मा, मारवाड़ी अस्पताल के अस्पताल अधीक्षक रोहित उपाध्याय और मारवाड़ी अस्पताल की नर्सिंग अधीक्षक सुश्री जुबिदा रिनजाह शामिल थे। उसके बाद, सीएनई कार्यक्रम कई प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों, अध्यक्षों और प्रतिभागियों के साथ विभिन्न विषयों में भाग लेने के साथ शुरू हुआ है। सीएनई के सभी सत्र नर्सों के लिए बहुत उपयोगी थे। जो असम के विभिन्न हिस्सों और मेघालय, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश जैसे पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों से आए थे। लगभग 34 संस्थानों ने सीएनई कार्यक्रम में भाग लिया और इस कार्यक्रम में 180 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया है। स्वास्थ्य क्षेत्र अब उन्नत और आधुनिक तकनीक से लैस है। चूंकि नर्सिंग किसी भी स्वास्थ्य सेवा उद्योग की रीढ़ है, इसलिए यदि उनका ज्ञान उन्नत और अद्यतित है, तो वे बेहतर तरीके से रोगियों की देखभाल कर सकते हैं और हर किसी का एक ही लक्ष्य होता है कि कैसे रोगियों की बेहतर तरीके से देखभाल की जाए।

लायंस जिला उपाध्यक्ष प्रथम ने शिकागो में चार दिवसीय प्रशिक्षण लिया

गुवाहाटी (विभास)। लायंस इंटरनेशनल द्वारा आयोजित प्रथम वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की चार दिवसीय विशेष प्रशिक्षण सत्र सेंट चार्ल्स, शिकागो में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण में विश्वभर के 754 वाइस गवर्नर्स ने भाग लिया, जिनमें भारत के डिस्ट्रिक्ट 322 जी से लायन पंकज कुमार पोद्दार, एडवोकेट ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उनकी ग्रुप लीडर इस्तांबुल, तुर्की से आईं बकेट आक्सु थीं एक हर वर्ष लायंस इंटरनेशनल के द्वारा नव-निर्वाचित प्रथम वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर्स को शिकागो बुलाया जाता है, जहां उन्हें उनके आगामी कार्यकाल की जिम्मेदारियों के लिए संपूर्ण रूप से प्रशिक्षित किया जाता है। इस प्रशिक्षण का पूरा खर्च लायंस इंटरनेशनल स्वयं उठाती है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी वाइस गवर्नर्स अपनी सेवाओं को बेहतर तरीके से निभा सकें। प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद लायन पंकज पोद्दार ने बताया कि वे अब पूरी तरह से नई ऊर्जा और उत्साह के साथ लायनवाद को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्ष में सेवा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के लिए कई नई योजनाएं शुरू की जाएंगी, जिसमें आम नागरिकों और लायंस सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। लायन पंकज पोद्दार की इस उपलब्धि से डिस्ट्रिक्ट 322 जी में खुशी की लहर है और सभी ने उन्हें आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

विद्यांजलि 2.0 जिला स्तरीय अनुदान के वितरण के साथ काछार जिले के शिक्षा क्षेत्र में गौरवशाली अध्याय, मेधावियों के सम्मान में दीप महोत्सव आयोजित

सिलचर। *श्रेष्ठ विद्यालय परिचालना समिति एवं मातृ समूह अनुदान 2024-2025* तथा *विद्यांजलि 2.0* जिला स्तरीय अनुदान के वितरण के साथ काछार जिले के शिक्षा क्षेत्र में यह एक गौरवशाली अध्याय है। बुधवार को सिलचर जीसी कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित इस महोत्सव में उन स्कूलों, शिक्षकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया जाता है जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है। समग्र शिक्षा, कछार द्वारा आयोजित इस भव्य बैठक में जिला आयुक्त मृदुल यादव, अतिरिक्त जिला आयुक्त अंतरा सेन, जिला मिशन समन्वयक एवं सहायक आयुक्त, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की उपनिदेशक बनिका चेतिया सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए जिला मजिस्ट्रेट मृदुल यादव ने शिक्षा की शक्ति और समाज को आकार देने में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कछार जिले के शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए शिक्षकों, स्कूल प्रबंधन समिति और जागरूक नागरिकों की प्रशंसा की। उन्होंने *शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए सभी को मिलकर काम करने* का आह्वान किया। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता प्राणकिशोर देवर का प्रेरक भाषण था। उन्होंने कटिगढ़ क्षेत्र के 127 सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे के विकास में उत्कृष्ट भूमिका निभाई है। उनके प्रयासों से स्कूलों में नई छतें, पंखे, डेस्क, टेबल और सुधार किए गए हैं। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं है, इसका उद्देश्य ऐसा वातावरण तैयार करना है जहां बच्चे निरंतर अपने सपनों को साकार कर सकें और आगे बढ़ सकें। उनके भावपूर्ण उद्बोधन से पूरा सभागार गौरव की उज्ज्वल रोशनी से जगमगा उठा। इस कार्यक्रम में जिला एजेंडा विषय (सामुदायिक भागीदारी), एसएसए कछार और एएसएसईबी, कछार क्षेत्रीय सचिव डॉ. विद्युत देब चौधरी ने घोषणा की कि कछार जिले के सभी स्कूलों को तंबाकू मुक्त घोषित किया जाएगा। तंबाकू मुक्त शिक्षण वातावरण सुनिश्चित करने के लिए जल्द ही एक विशेष हस्ताक्षर अभियान शुरू किया जाएगा, जिसमें सभी शिक्षक, अभिभावक और छात्र भाग लेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सेवानिवृत्त शिक्षकों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक गणेश हरिजन ने कहा कि अपनी नौकरी छूटने के बावजूद कई शिक्षकों ने शिक्षा के पवित्र कर्तव्य को जारी रखा है और जिले के शैक्षणिक ढांचे को मजबूत किया है। यहां भी ऐसा ही। कॉलेज के प्राचार्य बिवास देवे ने कहा कि स्कूल सिर्फ ईंटों और पत्थरों का ढांचा नहीं है, यह शिक्षकों, छात्रों और प्रबंधन समिति के समर्पण और एकता पर बना है। कार्यक्रम के अंत में जिला आयुक्त मृदुल यादव ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले श्रेष्ठ विद्यालय प्रबंधन समितियों एवं अभिभावक संघों को सम्मानित किया। यह प्रयास सिर्फ वितरण तक ही सीमित नहीं है; इससे जिले में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार का उज्ज्वल मार्ग खुल गया है। इस महोत्सव ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नई दिशा स्थापित की तथा शिक्षा के स्वर्णिम युग में एक नया अध्याय जोड़ा। यह खबर सिलचर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय से एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से प्रकाशित की गई है।

संपादकीय

बदलते कद, बदलते पद

कांग्रेस अपने नए अवतार में फैसलों के द्वंद्व से बाहर निकल रही है और इसी परिप्रेक्ष्य में पार्टी ने हिमाचल के प्रभारी को बमुश्किल हटाते हुए रजनी पाटिल को पुनः आजमाया है। जाहिर है साख के सौदे में पूर्व प्रभारी राजीव शुक्ला का दौर लंबा रहा, लेकिन इस दौरान पार्टी ने जो खोया उसे पाने की तफ्तीश नहीं हुई। सत्ता तक पहुंची कांग्रेस ने अपना जोरदार विघटन करते हुए जो कुछ किया, उसके चश्मदीद गवाह रहे शुक्ला अपनी भूमिका को अप्रासंगिक बनाते रहे। यह दीगर है कि इस दौरान वह राष्ट्रीय स्तर पर स्वयं को अति महत्त्वपूर्ण बनाते हुए, बीसीसीआई के हर करिश्मे में एक सिद्ध पुरुष साबित हुए। किसी कांग्रेसी नेता को वह बीसीसीआई सहज स्वीकार कर रहा है, जहां सारे अहम पद भाजपाई परिवारों की संपत्ति की तरह हैं। इतना ही नहीं राजीव शुक्ला ने भले ही कांग्रेस की अहम बैठकें चंडीगढ़ में आयोजित कीं, लेकिन वह धर्मशाला के क्रिकेट स्टेडियम में अहम मैचों की वीआईपी गैलरी में मौजूद रहे। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी की दक्षता में शिमला विश्वविद्यालय की मानद डाक्टरेट डिग्री उन्हें तब मिलती है जब प्रदेश की सत्ता में भाजपा होती है। आश्चर्य यह कि कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी ने पार्टी की नब्ज टटोली होती, तो कई वरिष्ठ नेता आज न तो भाजपा में होते और न ही राज्यसभा की एक सीट पार्टी से लूटी गई होती। बहरहाल कांग्रेस का अपना दरबार है और इसी पसंद के हकदारों की जवाबदेही कहां तय होती। यह दीगर है कि पार्टी तुलनात्मक दृष्टि से अब युवा चेहरों को प्रमुख भूमिकाओं में पेश कर रही है। रजनी पाटिल इस संदर्भ में एक ऊर्जावान व राहुल गांधी की भरोसेमंद टीम से आ रही हैं। भले ही कांग्रेस के गिने चुने राज्यों में से हिमाचल भी एक है, लेकिन यहां सत्ता के ढाई साल अगले ढाई साल से मुकाबिल हैं। यहां आर्थिक बुनियाद और सियासत की हर चाल के कब्जे में प्रदेश का भविष्य फंसा है। पिछला चुनाव गारंटियां गिनता रहा, लेकिन अब यथार्थ के सब पहलू भारी हैं। हो गईं बहुत सारी नियुक्तियां। नेताओं के वजन बढ़ और सत्ता के बीच कद बढ़ गए, लेकिन इसी बीच पार्टी के कई धड़े और हारे हुए संकल्प चुभने लगे हैं। बेशक सत्ता की अपनी पसंद में पार्टी का रुतबा दिखाई दे रहा है, लेकिन जमीन पर हल कौन चलाएगा। कुछ दिन पूर्व प्रदेश के दो बुजुर्ग, जिन्हें पार्टी के नेता या सरकार के मंत्री मानें, उन्होंने संगठन के दाग दिल्ली से शिमला तक देखे हैं। ये दोनों नेता जातीय समीकरणों में भी बहुत कुछ कहते हैं और पार्टी के कर्म को भी परिभाषित करते हैं। पिछले ढाई साल की सत्ता के सामने पार्टी का मुंहफुलाए बैठना, संतुलन तो नहीं था और संतुलन की खामियां सरकार की बनावट को भी मिलावट कर गईं, नतीजतन रजनी पाटिल को सत्ता में संलिप्त और सत्ता से दूर रह गई कांग्रेस और कांग्रेसियों को मिलाना होगा। पार्टी के भीतर ज्यादा अपने रखे गए या सत्ता में अपने खोजे गए, यह भी देखना होगा। क्या अगला अध्यक्ष क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों की दुरुस्ती करेगा। क्या पार्टी अपनी क्षमता में सुधार लाकर मिशन रिपीट की राह पर निकलने के लिए परिवर्तन करेगी या गारंटियों के बोझ से बाहर खींच लाएगी सत्ता की सवारी। फिलवक्त हिमाचल में विपक्षी भाजपा अपनी भूमिका का इतना विस्तार तो कर ही चुकी है कि कांग्रेस को विरोध के अतिक्रमण से सरकार के विविध पहलुओं को जनता तक पहुंचा कर जवाब देना होगा। हिमाचल में कांग्रेस का नेतृत्व अब तक कठपुतली नृत्य दिखाता रहा है। इसके भीतर सत्ता की ऊर्जा का समावेश और राष्ट्र के सामने उदाहरण बनने की कोई भी तकरीर सफल नहीं मानी जा सकती। भाजपा ने मंडलों का विस्तार करते, 171 नेताओं का चयन करते हुए अपनी शक्ति और संगठन की भक्ति का मतलब समझाया। क्या कांग्रेस कुछ कड़े फैसले ले सकती है या हाशिए से बाहर हुए नेताओं को गले से लगा सकती है। क्या कांग्रेस अपनी सरकार और मंत्रियों के प्रदर्शन पर जिरह कर सकती है। क्या राहुल गांधी के सपनों की कांग्रेस के प्रति वफादारी के सबूत रजनी पाटिल खोज पाएंगी।

सत्ता तक पहुंची कांग्रेस ने अपना जोरदार विघटन करते हुए जो कुछ किया, उसके चश्मदीद गवाह रहे शुक्ला अपनी भूमिका को अप्रासंगिक बनाते रहे। यह दीगर है कि इस दौरान वह राष्ट्रीय स्तर पर स्वयं को अति महत्त्वपूर्ण बनाते हुए, बीसीसीआई के हर करिश्मे में एक सिद्ध पुरुष साबित हुए। किसी कांग्रेसी नेता को वह बीसीसीआई सहज स्वीकार कर रहा है, जहां सारे अहम पद भाजपाई परिवारों की संपत्ति की तरह हैं। इतना ही नहीं राजीव शुक्ला ने भले ही कांग्रेस की अहम बैठकें चंडीगढ़ में आयोजित कीं, लेकिन वह धर्मशाला के क्रिकेट स्टेडियम में अहम मैचों की वीआईपी गैलरी में मौजूद रहे। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी की दक्षता में शिमला विश्वविद्यालय की मानद डाक्टरेट डिग्री उन्हें तब मिलती है जब प्रदेश की सत्ता में भाजपा होती है। आश्चर्य यह कि कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी ने पार्टी की नब्ज टटोली होती, तो कई वरिष्ठ नेता आज न तो भाजपा में होते और न ही राज्यसभा की एक सीट पार्टी से लूटी गई होती।

जनता दल से अलग होकर जब से नीतीश कुमार ने अपनी अलग राह चुनी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है

प्रगति यात्रा के सहारे चुनावी नैया पार उतारने की कोशिश में नीतीश

उमेश चतुर्वेदी

छह महीने बाद राज्य में चुनाव होने हैं। ऐसे में पक्ष और विपक्ष–दोनों ने चुनावी समर के लिए कमर कस लिया है। इन तैयारियों के बीच एक बात तय है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए एक बार फिर नीतीश कुमार की ही अगुआई में चुनावी मैदान में उतरने जा रहा है। पिछले साल नीतीश और लालू के मिलने की खबरिया कानाफूसी हो रही थी, उन्हीं दिनों पहले अमित शाह और बाद बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, दोनों नीतीश के ही चेहरे पर चुनाव लड़ने का ऐलान करने में देर नहीं लगाई। वहीं विपक्षी खेमे की कमान बीमारी के बावजूद लालू यादव ने अपने हाथ में ले ली है। जनता दल से अलग होकर जब से नीतीश कुमार ने अपनी अलग राह चुनी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है।

बिहार में विधानसभा चुनावों की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। छह महीने बाद राज्य में चुनाव होने हैं। ऐसे में पक्ष और विपक्ष-दोनों ने चुनावी समर के लिए कमर कस लिया है। इन तैयारियों के बीच एक बात तय है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए एक बार फिर नीतीश कुमार की ही अगुआई में चुनावी मैदान में उतरने जा रहा है। पिछले साल नीतीश और लालू के मिलने की खबरिया कानाफूसी हो रही थी, उन्हीं दिनों पहले अमित शाह और बाद बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, दोनों नीतीश के ही चेहरे पर चुनाव लड़ने का ऐलान करने में देर नहीं लगाई। वहीं विपक्षी खेमे की कमान बीमारी के बावजूद लालू यादव ने अपने हाथ में ले ली है। जनता दल से अलग होकर जब से नीतीश कुमार ने अपनी अलग राह चुनी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है। सियासी इतिहास गवाह है कि जब भी लालू बनाम नीतीश की जंग होती है, लालू का जंगलराज के भूत का डर बिहार के लोगों को सताने लगता है। इस जंग में लालू की बनिस्बत नीतीश का चमकदार और सुलझा हुआ सामने आ जाता है और सियासी बाजी नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन के ही हाथ लगती रही है। एनडीए अगर बिहार की सत्ता से अतीत में कभी दूर हुआ भी है तो उसकी वजह खुद नीतीश का उसका साथ छोड़ना रहा है। नीतीश कुमार की अगुआई में 2005 में बिहार की सत्ता पर एनडीए के काबिज होने के बाद बिहार की अराजक छवि में तेजी से बदलाव हुआ। शासन की गाड़ी पटरी पर लगातार आती गई। नीतीश के पहले बिहार में बिजली के दर्शन कभी-कभी होते थे, लेकिन बाद में हालात बदले। बिहार की सड़कें देश और दुनिया में अपनी बदहाली के लिए जानी जाती थीं, लेकिन नीतीश ने उन्हें भी बदला। लड़कियों को स्कूल जाने के लिए साइकिलों की सौगात मिली। कभी माफिया, अपहरण और वसूली के लिए बदनाम बिहार की छवि बदलने लगी। इसके बाद नीतीश कुमार की भी नई छवि बनी, उन्हें नया नाम भी मिला, सुशासन कुमार। पंद्रह साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में नीतीश की पार्टी की सीटें घटीं। हाल के दिनों में उनके कुछ बयानों पर सवाल भी उठे, इसके बावजूद बिहार की

राजनीति का सबसे चमकदार चेहरा अब भी नीतीश कुमार ही हैं। शायद यही वजह है कि एनडीए एक बार नीतीश कुमार के ही चेहरे के साथ मैदान में उतरने जा रहा है। एनडीए और जनता दल यू को लगता है कि इस जंग में इस बार सियासी कामयाबी दिलाने में मददगार नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा ही हो सकती है। इसलिए सत्ताधारी खेमे की ओर से एक तरफ जहां विकास को मुद्दा बनाने की तैयारी है, वहीं विकास के सिलसिले में नए आयाम जोड़ने को लेकर तेजी से काम हो रहा है। इसी के तहत नीतीश सरकार सड़क और पुल निर्माण जैसे विकास कार्यों को ज़मीन पर उतारने की तैयारी तेज कर दी है। एनडीए के साथ ही बिहार के सियासी जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह यात्रा बिहार के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। क्योंकि नीतीश सरकार की नीतियों की वजह से पहले से ही समूचे राज्य में बुनियादी सुविधाओं में तेजी से सुधार हो रहा है। अपनी सरकार की उपलब्धियों के साथ ही लोगों की राय जानने के लिए कुछ दिनों पहले से नीतीश कुमार ने राज्य में प्रगति यात्रा की। इस यात्रा के दौरान नीतीश ने राज्य के तमाम जिलों में लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए सुनवाई की जगह पर ही अधिकारियों को सीधे निर्देश दिए। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। विशेष रूप से सड़क निर्माण, बाईपास और उच्चस्तरीय रेलवे ओवर ब्रिज की योजनाओं पर जोर दिया गया, ताकि राज्य में आवागमन की सुगमता बढ़े और यात्रा समय में कमी आए। प्रगति यात्रा के ही दौरान नीतीश कुमार ने 20,000 करोड़ रुपये की 188 योजनाओं की घोषणा की, जिनमें 121 योजनाओं को मंत्रिपरिषद की मंजूरी मिल चुकी है और उन्हें जमीनी हकीकत बनाने को लेकर तेजी से काम शुरू हो चुका है। इनमें से कई योजनाएं ग्रामीण सड़कों को बेहतर बनाने, उनका पुनर्निर्माण करने और उनकी हालत पहले की तुलना में और बेहतर बनाने को लेकर हैं। इस दौरान समस्तीपुर और मधेपुरा जिलों में महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। साथ ही, सीवान, छपरा, गोपालगंज और मुजफ्फरपुर जिलों में सड़क चौड़ीकरण, बाईपास और पुल निर्माण कार्यों के लिए भी भारी धनराशि स्वीकृत की गई है। सत्ताधारी खेमे का दावा है कि नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच और कड़ी मेहनत की वजह से बिहार का तकरीबन हर गांव पक्की और चौड़ी सड़कों से जोड़ा जा रहा है। बहुत सारी सड़कें तैयार भी हो चुकी हैं। जिनकी मदद से बिहार के किसी भी कोने से पहले की तुलना में राजधानी पटना पहुंचना कहीं ज्यादा आसान हुआ है। इसकी वजह से लोगों के समय और ईंधन की बचत हो रही है। नीतीश की अगुआई में 2010 में मिली दूसरी जीत में बेहतर सड़कों की बड़ी भूमिका रही। शायद यही वजह है कि नीतीश कुमार ने सड़कों और बुनियादी सुविधाओं के लिए खजाना खोल दिया है। नीतीश के लिए चुनौती शराबबंदी बनी हुई है। सरकारी तंत्र के भ्रष्टाचार की वजह से शराब की तस्करी बढ़ी है। हालांकि शराबबंदी से महिलाएं खुश हैं। नीतीश को इस चुनौती से पार पाना होगा। वैसे प्रशांत किशोर जैसे उनके पुराने साथी विपक्षी खेमे की ओर से इसे बड़ा मुद्दा बना रहे हैं। फिर भी कह सकते हैं कि बिहार की आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ा नीतीश सरकार का पहिया अब भी प्रमुख मुद्दा है। उम्मीद की जा रही है कि चुनावों की घोषणा होने तक नीतीश और बीजेपी इसे अपनी उपलब्धि के तौर पर प्रचारित और विस्तारित करते रहेंगे। यह सच है कि जातिवाद से ग्रस्त बिहार की राजनीति पर विकास की राजनीति भारी पड़ती रही है। शायद यही वजह है कि नीतीश सरकार विकास पर जोर दे रही है और इसे ही अपना सियासी हथियार बनाने की तैयारी में है।

दृष्टि कोण

भाषा आंदोलन को याद करे बांग्लादेश

हिंदोस्तान के विभाजन से पूर्व 'अलीगढ़ विश्वविद्यालय' के कुलपति डा. 'जियाउद्दीन अहमद' ने एक बज्म में मशिवरा पेश किया था कि पाकिस्तान के वजूद में आने के बाद पाक की राजकीय भाषा 'उर्दू' होनी चाहिए। जियाउद्दीन की उस दलील के रद्देअमल में ढाका विश्वविद्यालय के बंगाली भाषाविद डा. 'मुहम्मद शाहिदुल्लाह' ने जवाब दिया था कि हमारे न्यायालयों व विश्वविद्यालयों में बंगाली भाषा के बजाय उर्दू या हिंदी का इस्तेमाल गुलामी के समान होगा। मुहम्मद शाहिदुल्लाह की उस तहरीर को 'बांग्ला भाषा आंदोलन' की तखलीक माना जाता है। शाहिदुल्लाह ने अखबारों के जरिए बांग्ला भाषा की हिमायत जारी रखी थी। विभाजन के बाद ढाका विश्वविद्यालय के बंगाली छात्रों ने आठ दिसंबर 1947 को बांग्ला जुबान को अपनी आधिकारिक भाषा घोषित करने की मांग कर दी तथा उस मांग को मनवाने के लिए ग्यारह मार्च 1948 को हड़ताल का ऐलान कर दिया। बंगाली छात्रों की वो कारकर्दगी पाकिस्तान के हुक्मरानों को नाग्वार गुजरी। उसी दौरान 21 मार्च 1948 को पाकिस्तान के गवर्नर जनरल मोहम्मद अली जिन्ना ढाका में तशरीफ ले गए तथा रामना रेसकोर्स मैदान में बांग्ला आवाम से मुखातिब हुए। दौराने तकरीर में जिन्ना ने फरमाया कि 'मैं आपको स्पष्ट कर देता हूं कि पाकिस्तान की राजकीय भाषा उर्दू होगी। जो इसकी मुखालफत करेगा, वो पाकिस्तान का दुश्मन है।' हालांकि उस ऐलान के छह महीने बाद सितंबर 1948 में जिन्ना का इंतकाल हो गया था। लेकिन जिन्ना द्वारा बांग्ला आवाम पर थोपी गई उर्दू जुबान की मुनादी ने बंगाली लोगों को अपनी मातृभाषा व अलग मुल्क बांग्लादेश के लिए जद्दोजहद का एहसास करा दिया था। 16 अक्तूबर 1951 को पाकिस्तान के प्रथम वजीरे आजम 'लियाकत अली खान' का 'रावलपिंडी' में कत्ल कर दिया गया था। उसके बाद मजहबी मिजाज के 'ख्वाजा नजीमुद्दीन' पाकिस्तान के वजीरे आजम बने। नजीमुद्दीन ने भी जनवरी 1952 में ढाका के पलटन मैदान में उर्दू को पाकिस्तान की राजकीय भाषा करार देकर मोहम्मद अली जिन्ना की उस तकरीर को पुख्ता कर दिया था। ख्वाजा नजीमुद्दीन के ऐलान का बंगाली छात्रों ने पुरजोर विरोध किया। जब एहतजाज हिंसा में तब्दील हुआ तो पाक हुकूमत ने पूर्वी पाक में 20 फरवरी 1952 को धारा 144 लागू कर दी। बांग्ला भाषा तहरीक में शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे 'ढाका मेडिकल कालेज' व 'ढाका विश्वविद्यालय' के छात्रों तथा 'ऑल लैंग्वेज एक्शन कमेटी' के लोगों पर पाक सुरक्षाबलों ने गोलीबारी करके कई छात्रों को हलाक कर दिया। आंदोलन में मारे गए छात्रों को खिराज-ए-अकीदत पेश करने के लिए बांग्ला लोगों ने 22 फरवरी 1952 को एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया था। मगर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने धारा 144 के उल्लंघन का हवाला देकर दोबारा गोलीबारी करके कई प्रदर्शनकारियों को मौत के घाट उतार डाला था। 'अमार भाई रोकटे रंगानों एकुशे फरवरी' ये मकबूल बंगाली नगमा बांग्ला भाषा आंदोलन के दौरान पाक सेना की क्रूरता का शिकार हुए लोगों की याद में ही लिखा गया था। उस 'एकुशेर गान' के मुसन्निफ बांग्ला सहाफी 'अब्दुल गफ्फार चौधरी' ने वो नगमा पाक सेना की गोली से घायल हुए एक शख्स के पास बैठकर लिखा था। भाषा आंदोलन में पाक सेना की गोलीबारी का शिकार हुए लोगों को खिराजे अकीदत इसी नगमें के जरिए पेश की जाती रही है। दिलचस्प बात ये है कि सन-1952 के दौर में जब बांग्लादेश की आवाम पाक सेना से अपनी मातृभाषा व तहजीब के वजूद की जंग लड़ कर शहीद हो रही थी, उस वक्त पाकिस्तान के वजीरे आजम ख्वाजा नजीमुद्दीन खुद बांग्लादेशी थे। मगर वजीरे आजम के औहदे पर काबिज रहने की लालसा में नजीमुद्दीन अपनी बंगाली जुबान की हिमायत नहीं कर सके। ढाका में बांग्ला भाषा के लिए विरोध प्रदर्शन तथा उसी दौरान लाहौर में मजहबी दंगों से बिगड़े हालात पर काबू पाने में नजीमुद्दीन नाकाम रहे। नतीजतन पाकिस्तान के गवर्नर जनरल 'मलिक गुलाम मोहम्मद' ने अप्रैल 1953 में ख्वाजा नजीमुद्दीन को बर्खास्त कर दिया था। भाषा आंदोलन में पाक सुरक्षा बलों द्वारा हलाक किए गए लोगों की याद में ढाका में 'शहीद स्मृतिस्तंभो' मिनार सन-1952 में ही तामीर कर दिया था। मगर पाक सेना ने उस शहीद मिनार को सन-1952 में तथा 1971 के आपरेशन 'सर्च लाइट' के दौरान पूरी तरह नष्ट कर दिया था। बांग्ला आवाम तथा 'टावर हैमलेट्स काउंसिल' ने मिलकर उस शहीद मिनार का जीर्णोद्धार किया। बांग्लादेश की राष्ट्रीय संसद के अध्यक्ष 'हुमायूं रशीद चौधरी' ने उस भाषायी विरासत के प्रतीक शहीद मिनार का अनावरण 17 फरवरी 1999 को किया था। उसी वर्ष 'यूनेस्को' ने बंगाली भाषा आंदोलन को मान्यता देकर 21 फरवरी को 'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' घोषित किया था।

कुछ अलग

तीसरा आदमी

यह तीसरा आदमी यूं तो जीवन के हर क्षेत्र में मौजूद है, पर राजनीति और धर्म का ताना-बाना ऐसा है कि तीसरा आदमी दोनों ही जगहों पर मौज कर रहा है। कभी चुनावों के नतीजे आने से पहले वह तपस्या करता हुआ दिखाई देता है, तो कभी पूरे कपड़ों में महाकुंभ में गंगा में डुबकी लगाता है। बलात्कार और हत्या के मामलों में सजायाफ्ता होने के बावजूद कभी चुनावों में पैरोल पर छूटता है तो कभी कहता है कि भगदड़ में मारे गए सभी लोग स्वर्ग पहुंच चुके हैं। कभी उस पर पत्नी को छोडने का आरोप लगता है तो कभी पत्नी की हत्या का। कभी तड़ीपार होता है तो कभी मिलावटी सामान बेचने या टैक्स न भरने पर करोड़ों का जुर्माना होता है। कभी उस पर लड़ाकू जहाजों की खरीद या अमेरिका में प्रोजेक्ट लेने के लिए करोड़ों डालर की घूस देने का आरोप लगता है। पर वह कभी तनाव में नहीं दिखता। तमाम आरोपों के बावजूद वह कभी देश की सत्ता पर काबिज होता है तो कभी जगतगुरु बन जाता है। यह तीसरा आदमी कभी कुश्ती नहीं खेलता, क्रिकेट नहीं खेलता, हॉकी या अन्य कोई खेल भी नहीं खेलता। पर अपनी प्रतिभा के दम पर ओलिम्पक्स के फाइनल में पहुंचे आम आदमी को वजन के आधार पर अयोग्य घोषित करवा देता है। उसे बल्ला पकडना नहीं आता, बॉल फेंकनी नहीं आती, पर वह अपने बाप के दम पर क्रिकेट में सबसे तेज पांच सौ विकेट लेने वाले आम आदमी को संन्यास लेने पर मजबूर कर देता है। यह तीसरा आदमी अपने मनचाहे बिजनेस हाऊस या संसाधनों पर हाथ रख देता है और सत्ता उस बिजनेस हाऊस या संसाधन उपलब्ध करवाने के लिए देश के कानूनों का तिया-पांचा कर देती है। देश की तमाम सुरक्षा एजेंसियां आम आदमी को लपेटना शुरू कर देती हैं। इधर आम आदमी है कि उसका कोई गुनाह न होने पर भी उसे सालों जेल में रहना पड़ता है। अदालतों के पास उसकी जमानत की याचिका पर सुनवाई का वक्त नहीं होता। कभी भी टूटने के डर के बावजूद बेचारा साल भर कमान की तरह तना रहता है। पर उसकी डोर कभी ढीली नहीं होती। अपने नुचे हुए पंखों के साथ आम आदमी जिंदगी के आकाश में उडने की कोशिश में गरीबी और लाचारी के दलदल में अपने आखिरी दम तक छप-छप करता हुआ, तीसरे आदमी के हक और इकबाल के नारे बुलंद करता रहता है। झुके सिर और कमर के साथ जीने वाले आम आदमी के लिए पांच किलो राशन ही काफी है। उसे खाते हुए वह कभी सवाल नहीं करता कि यह तीसरा आदमी कौन है। उधर तीसरा आदमी आम आदमी से ही सवाल करता है कि यह तीसरा आदमी कौन है। अपनी जान बचाने के लिए आम आदमी पाकिस्तान का नाम लेता है। उसे पता है कि तीसरे आदमी का नाम बताते ही उसे गद्दार और देशद्रोही घोषित कर दिया जाएगा। पर आम आदमी कभी नहीं सोचता कि भेड़ की तरह भीड़ का हिस्सा होने पर उसे केवल अपने से आगे वाली भेड़ों का पिछवाड़ा और पूंछ ही दिखाई देगी। वह केवल यह सोचकर ही खुश रहता है कि उसके दुःखों के हरण के लिए ही तीसरा आदमी अवतरित हुआ है। वह उस तीसरे नॉन-बॉयोलॉजिकल आदमी को भगवान समझ कर पूजता है। इसलिए देश की संसद में मौन छाया है, तीसरे आदमी को लेकर भी और आम आदमी के मुद्दों और समस्याओं को लेकर भी। लेकिन संसद में खूब हंगामा बरपा है, बड़ा शोर है। लेकिन उसके पास कुंभ में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए न समय है और न फुर्सत। ऐसे में हैदर अली आतिश का यह शे'र बड़ा मौजूं हो उठता है, 'बड़ा शोर सुनते थे पहलू में दिल का, जो चीरा तो इक कतरा-ए-खूं न निकला।' लेकिन सवाल है कि संसद के पहलू में दिल है भी या नहीं। कतरा-ए-खूं की बात तो बाद में होगी।

देश दुनीया से

गांवों में विकास अनुकूलता का परिदृश्य

इन दिनों ग्रामीण भारत में परिवर्तन और किसानों के बदलते जीवन विषयों पर प्रकाशित हो रही विभिन्न अध्ययन रिपोर्टों में यह तथ्य रेखांकित हो रहा है कि भारत के ग्रामीण परिवेश में सकारात्मक परिवर्तन हो रहा है और इससे किसानों की आमदनी के साथ किसानों का जीवन स्तर बढ़ रहा है। हाल ही में 6 फरवरी को प्रकाशित मैकिन्से ग्लोबल फार्मर्स इनसाइट सर्वे 2024 में कहा गया है कि भारतीय किसान तेजी से डिजिटल पेमेंट को अपना रहे हैं। वर्ष 2024 में भारत में 40 फीसदी किसानों के द्वारा रुपयों का भुगतान डिजिटल माध्यम से किया गया है, वहीं वर्ष 2022 में केवल 11 फीसदी किसान ही डिजिटल भुगतान का इस्तेमाल कर रहे थे। किसानों के बीच डिजिटल भुगतान का चलन बढने का कारण सस्ता डाटा और यूपीआई सेवा को माना गया है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में देश में फसल बीमा का इस्तेमाल करने वाले महज 8 फीसदी किसान थे, वह वर्ष 2024 में बढक़र 37 फीसदी हो गए हैं। इसमें सबसे अधिक योगदान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का है। यह भी पाया गया है कि 11 फीसदी किसान वर्ष 2024 में जैविक उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि वर्ष 2022 में 2 प्रतिशत किसान ही जैविक उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे थे। इस रिपोर्ट का यह निष्कर्ष भी महत्वपूर्ण है कि भारत के किसान औपचारिक ऋण की ओर बढ़ रहे हैं। वर्ष 2024 में 36 फीसदी किसानों ने बैंक से कर्ज लिया, जो वर्ष 2022 में केवल 9 फीसदी था। वहीं, 26 फीसदी किसानों ने सब्सिडी वाले सरकारी ऋण का उपयोग किया, जबकि वर्ष 2022 में यह आंकड़ा सिर्फ एक फीसदी था। रिपोर्ट ने यह भी बताया कि भारत के 53 फीसदी किसान फसल चक्रीकरण जैसे टिकाऊ खेती के तरीकों को अपनाने के लिए सरकारी सब्सिडी पर निर्भर हैं। सरकार इस दिशा में कई तरह से सहायता प्रदान कर रही है, जैसे कि लागत में छूट, कार्बन क्रेडिट से आय बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन आदि। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि मार्च 2024 तक, भारत में 95.44 करोड़ इंटरनेट ग्राहक थे। इनमें से 39.83 करोड़ ग्रामीण इंटरनेट ग्राहक थे। इसी परिप्रेक्ष्य में हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) रिसर्च के द्वारा जारी रिपोर्ट भी महत्वपूर्ण है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्य रूप से गरीबों को सीधे, लाभान्वित करने वाले सरकारी सहायता कार्यक्रमों के सकारात्मक प्रभावों और विकास के कारण गरीबी में कमी आई है। गरीबी में कमी शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक तेजी से हुई है। जहां वर्ष 2011-12 में ग्रामीण गरीबी 25.7 प्रतिशत और शहरी गरीबी 13.7 प्रतिशत थी, वहीं वर्ष 2023-24 में ग्रामीण गरीबी घटकर 4.86 प्रतिशत और शहरी गरीबी घटकर 4.09 प्रतिशत पर आ गई। इस रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 14 सालों में आमदनी बढने से जहां शहरों में हर माह प्रतिव्यक्ति उपभोक्ता खर्च (एमपीसीई) 3.5 गुना हो गया, वहीं यह ग्रामीण इलाकों में करीब चार गुना हो गया है। वर्ष 2009-10 से 2023-24 के बीच शहरी इलाकों में एमपीसीई 1984 रुपए से बढक़र 6996 रुपए और ग्रामीण इलाकों में यह खर्च 1054 रुपए से बढक़र 4122 रुपए हो गया। ऐसे में शहरों की तुलना में गांवों की ग्रोथ ज्यादा है। निःसंदेह ग्रामीण एवं कृषि विकास के विभिन्न अभियानों के कारण देश में ग्रामीण गरीबी में तेजी से कमी आ रही है। यह पिछले वर्ष 2024 में घटकर पांच प्रतिशत से भी कम रह गई है। साथ ही ग्रामीणों की आमदनी और क्रयशक्ति बढ़ी है। आज गांवों के लाखों घरों को पीने का साफ पानी मिल रहा है। लोगों को डेढ़ लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। आज डिजिटल तकनीक की मदद से बेहतरीन डॉक्टर और अस्पताल भी गांवों से कनेक्ट हो रहे हैं। पीएम किसान सम्मान निधि के जरिए देश को किसानों को तीन लाख करोड़ रुपए की आर्थिक मदद दी जा रही है। बीते 10 वर्षों में कृषि ऋण साढ़े तीन गुना बढ़ गए हैं। अब पशुपालकों और मछली पालकों को भी किसान क्रेडिट कार्ड दिए जा रहे हैं। बीते 10 वर्षों में फसलों पर दी जाने वाली सब्सिडी और फसल बीमे की राशि को बढ़ाया है। स्वामित्व योजना जैसे अभियान चलाए हैं, जिनके जरिए गांव के लोगों को संपत्ति के दस्तावेज दिए जा रहे हैं। गांव के युवाओं को मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया जैसी योजनाओं के जरिए मदद की जा रही है। यह भी महत्वपूर्ण है कि डिजिटल इंडिया, शौचालय, स्वच्छ पेयजल और स्वच्छ ईंधन के लिए उज्ज्वला योजना, सभी घरों में बिजली के लिए सौभाग्य योजना जैसे अभियानों से भी ग्रामीण भारत में गरीबी में कमी आ रही है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 80 करोड़ से अधिक गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को मुफ्त खाद्यान्न कार्यक्रम ने ग्रामीण भारत में भी गरीबी को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। निश्चित रूप से ग्रामीण भारत में सकारात्मक परिवर्तन, कृषि और ग्रामीण विकास तथा किसानों की आमदनी बढ़ाने के मद्देनजर केंद्रीय बजट 2025-26 एक और आशा किरण लेकर आया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के लिए इस बार केंद्रीय बजट 2025-26 में 188754 करोड़ का प्रावधान किया गया है। नए बजट में कृषि एवं किसान कल्याण का बजट आवंटन 1.71 लाख करोड़ रुपए किया गया है जो पिछले वर्ष के बजट की तुलना में 11 फीसदी अधिक है। केंद्रित कार्यक्रमों और निवेशों के माध्यम से ग्रामीण विकास को आगे बढ़ाने और समृद्धि बढ़ाने के उद्देश्य से जल जीवन मिशन, भारतनेट परियोजना जैसी प्रमुख पहलों की रूपरेखा तैयार की गई है। ये सभी नई बजट व्यवस्थाएं ग्रामीण विकास और किसानों के जीवन स्तर को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे सकेंगी। लेकिन हमें अभी भी ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की प्रगति के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। देश के 95 फीसदी किसान वर्तमान में भी आधुनिक खेती की तकनीक नहीं अपना रहे हैं। इसका कारण सेटअप में लगने वाला समय, ज्यादा लागत, निवेश पर रिटर्न को लेकर स्पष्टता की कमी जैसे कारक हैं। हमें इस तथ्य पर भी ध्यान देना होगा कि भारतीय किसान ऑनलाइन खरीददारी में दुनिया में बहुत पीछे हैं।

आप का नजरीया

यह साझेदारी छोटे-बड़े की

बेशक अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने 'व्हाइट हाउस' में प्रधानमंत्री मोदी का गदगद स्वागत किया। उन्हें 'महान नेता' कहा गया और ट्रंप ने अपनी किताब पर लिखा- 'यू आर ग्रेट।' ट्रंप ने मोदी को बहुत याद भी किया। यह औपचारिक व्यवहार हो सकता है, हालांकि ट्रंप ने किसी अन्य वैश्विक नेता के संबंध में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया, लेकिन दोनों की 'ग्यारह' वाली दोस्ती' के साथ-साथ वे अपने-अपने देश के सर्वोच्च नेता भी हैं, लिहाजा दोनों अपने-अपने देश को 'दोबारा महान' बनाने को भी प्रतिबद्ध हैं। भारत-अमरीका दोनों ही विशाल और प्राचीन लोकतंत्र हैं, लेकिन यह भी यथार्थ है कि इस शिखर संवाद में अमरीका की ताकत वरिष्ठ देश की है और भारत जूनियर साझेदार देश के तौर पर रहा। अमरीका और भारत के बीच यही परंपरा और यही ताकत का असंतुलन रहा है, क्योंकि वह हमसे 8 गुना बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। आतंकवाद पर दोनों देश न्यूयॉर्क में 9/11 आतंकी हमले के बाद से साझा लड़ाई लड़ते रहे हैं। अमरीका ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के एक शैतानी साजिशकार तहव्वुर राणा को भारत को सौंपने का फैसला किया है। उसके लिए आभार व्यक्त करना चाहिए, शायद आतंकवाद की कुछ बंद और रहस्यमयी कडियां खुल सकें। लेकिन तहव्वुर 2009 से अमरीकी जेल में है। लंबे 16 साल के बाद अमरीका उसे हमें सौंप रहा है, लिहाजा यह सवालिया स्थिति है। आतंकवाद पर वैश्विक नेता अपने सरोकार जताते रहे हैं और साझा लड़ाई के सार्वजनिक बयान भी देते रहे हैं, लेकिन यह हकीकत है कि आतंकवाद के खिलाफ प्रत्येक देश की अपनी ही लड़ाई है। तसल्ली रहेगी कि हमारी अदालत तहव्वुर के आतंकवाद पर फैसला लेकर उसे फांसी तक भी पहुंचा सकेगी। बहरहाल टैरिफ या सीमा-शुल्क के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी नीति साफ कर दी है। वह सभी देशों के संदर्भ में है। दोनों शासनाध्यक्षों ने भारत-अमरीका के बीच टैरिफ पर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। साल के अंत में कोई व्यापार-समझौता हो सकता है, यह घोषणा जरूर की है। राष्ट्रपति ट्रंप बुनियादी तौर पर व्यापारवादी मानसिकता के व्यक्ति हैं, लिहाजा भारत के साथ वह अमरीकी सैन्य सौदों को विस्तार देना चाहते हैं, ताकि व्यापार-घाटा कम किया जा सके। अमरीकी राष्ट्रपति ने अत्याधुनिक एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान भारत को देने की पेशकश इसी मंशा से की है। अमरीका ने यह विमान नाटो देशों को जरूर बेचा है। उनके बाहर भारत पहला देश होगा। बेशक यह 5वीं पीढ़ी का इकलौता लड़ाकू विमान है। फिलहाल पेशकश, प्रस्ताव तक ही मामला सीमित है, क्योंकि भारत को अपनी सैन्य जरूरतों को भी ध्यान में रखना होगा। भारत के पास राफेल लड़ाकू विमान की पर्याप्त शक्ति है, जो 4-5 पीढ़ी का विमान है। बेशक अमरीका ने भारत को जो बख्तरबंद वाहन देने की बात कही है, उसकी जरूरत लद्दाख, राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश सरीखे क्षेत्रों में सार्थक साबित हो सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी ने अवैध भारतीय प्रवासियों पर भी बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी ने माना कि अवैध प्रवासियों को किसी अन्य देश में रहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है, लिहाजा उन्होंने ऐसे भारतीयों को वापस लेने पर अपनी स्वीकृति दे दी।

राजस्थान बजट 2025-26 : सवा लाख भर्तियां करने और दो लाख परिवारों को नए पट्टे देने की घोषणा, मेट्रो का बढ़ेगा दायरा

जयपुर (हिंस)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान में एक साल में 1.25 लाख भर्तियां करने और दो लाख परिवारों को नए पट्टे देने की घोषणा की है। वित्त मंत्री दिया कुमारी बुधवार को विधानसभा में भजनलाल सरकार का दूसरा पूर्ण बजट 2025-26 पेश कर रही हैं। वित्त मंत्री ने जयपुर में मेट्रो के नए फेज, 15 शहरों में रिंग रोड बनाने और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 150 यूनिट फ्री बिजली देने का एलान किया है। बजट 2025-26 प्रस्तुत करते हुए वित्त मंत्री दिया कुमारी ने कहा कि सरकार प्रदेश की 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। वित्त मंत्री ने कहा कि हमने लोगों से किए वादों की पूर्ति के लिए जन घोषणा पत्र की 58 प्रतिशत और बजट घोषणा की 73 प्रतिशत घोषणा पूरी की है। उन्होंने कहा कि रा म जल सेतु लिंक परियोजना को धरातल पर उतारने का काम शुरू कर दिया है। राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत निवेशकों ने हमारी नीति में विश्वास दिखाते हुए 35 लाख करोड़ से ज्यादा के एमओयू पर साइन किए हैं। उपमुख्यमंत्री ने जयपुर से बीआरटीएस सिस्टम हटाने के साथ मेट्रो के नए फेज की भी घोषणा की है। दीया कुमारी ने राजस्थान में 9 नए ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे और 15 शहरों में रिंग रोड बनाने की भी बजट में घोषणा की है। वहीं, पेयजल विभाग में 1050 नए टेक्निकल पदों पर भी भर्ती की जाएगी। अगले एक साल में 1500 हैडपंप और एक हजार ट्यूबवेल्स भी राजस्थान में लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रमुख शहरों में हैवी ट्रैफिक को देखते हुए बालोतरा, जैसलमेर, झालावाड़, डूंगरपुर सहित 15 शहरों में रिंग रोड बनेंगे। जयपुर का बीआरटीएस हटाया जाएगा। जयपुर में सड़कों के लिए 250 करोड़ रुपए अलग से दिए जाएंगे। इसके अलावा रोडवेज को पांच सौ नई बसें मिलेंगी। जयपुर मेट्रो के सेकेंड फेज के तहत 12 हजार करोड़ की लागत से सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र से अंबाबाड़ी, विद्याधर नगर तक काम किया जाएगा। जगतपुरा, वैशाली में मेट्रो के लिए सर्वे किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पर्यटन विकास के लिए 975 करोड़ के काम होंगे। धार्मिक पर्यटन स्थलों का विकास होगा, इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के काम होंगें। सौ करोड़ की लागत से ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट विकसित किया जाएगा। इसके अलावा छह हजार वरिष्ठ नागरिकों को हवाई मार्ग से जबकि 50 हजार बुजुर्गों को एसी ट्रेन से तीर्थ यात्रा करवाई जाएगी। जयपुर में गोविंद देवजी कला महोत्सव का आयोजन होगा। इसके तहत साल भर आयोजन होंगे और इस पर 50 करोड़ खर्च होंगे। वित्त मंत्री ने बताया कि अगले वित्त वर्ष के दौरान शहरी क्षेत्र में दो लाख नए पट्टे दिए जाएंगे। इसके अलावा प्रदेश के पिछड़े 35 ब्लॉक में 75 करोड़ का प्रावधान कर गुरु गोलवलकर योजना लागू होगी। बारह हजार पचास करोड़ की लागत से पंडित दीनदयाल उपाध्याय शहरी विकास योजना लागू होगी।

पंजाब पुलिस ने सीमा पार से आई दस किलो हेरोइन समेत एक तस्कर दबोचा

चंडीगढ़ (हिंस)। काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने एक नशा तस्कर को 10 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार कर सीमा पार से संचालित हो रहे नशा तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान हरमनदीप सिंह के रूप में हुई है, जो अमृतसर के गांव घुम्मनपुरा का निवासी है। उसके पास से हेरोइन बरामद करने के अलावा, पुलिस टीमों ने उसकी मोटरसाइकिल (पी बी 02 ई डबल्यू 5675), जिस पर वह सवार था, को भी जब्त कर लिया है। उन्होंने बताया कि सीआई अमृतसर की टीम को विश्वसनीय सूत्रों से पुख्ता सूचना मिली थी कि आरोपी हरमनदीप के पाकिस्तान स्थित नशा तस्करों से संबंध हैं और हाल ही में उसे पाकिस्तान से हेरोइन की एक बड़ी खेप मिली है, जिसे वह राम तीर्थ रोड, मोड़ गांव काले के पास डेरा राधा स्वामी, अमृतसर में किसी व्यक्ति तक पहुंचाने जा रहा है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए सी.आई. अमृतसर ने खुफिया जानकारी के आधार पर ऑपरेशन शुरू किया और अमृतसर के राम तीर्थ रोड पर एक विशेष पुलिस नाके पर आरोपी हरमनदीप सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान आरोपी से 10 किलो हेरोइन बरामद की गई है। डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी लगातार पाकिस्तान स्थित तस्कर चाचा बावा, जिसने राज्य में अन्य जगहों पर आपूर्ति करने के लिए अटारी क्षेत्र में ड्रोन के जरिए हेरोइन की खेप भेजी थी, के सीधे संपर्क में था। उन्होंने कहा कि इस मामले में आगे की कड़ियां जोड़ने और इस नशा तस्करी रैकेट में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान करने के लिए जांच जारी है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में और नशीले पदार्थों की बरामदगी और गिरफ्तारियां होने की संभावना है। इस संबंध में पुलिस थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर में मामला दर्ज किया गया है।

तीन साल की नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास

आरोपी हिरासत में, आक्रोशित लोगों ने जाम लगा बंद करवाए बाजार

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। शहर की उप नगरीय बस्ती चंदेरिया थाना क्षेत्र में तीन साल की मासूम बालिका के साथ दुष्कर्म करने के प्रयास का मामला सामने आया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज करते हुए आरोपी को डिटेन किया है। बालिका का मेडिकल करवाया जाकर अनुसंधान शुरू कर दिया है। मामले की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में हिंदू संगठन के लोग व क्षेत्रवासी एकत्रित हो गए और आक्रोश जताया। लोगों का आरोप यह भी है कि पुलिस ने कार्रवाई करने के स्थान पर सूचना देने वाले लोगों को ही आरोपी को पुलिस थाने में लाने की सलाह दे दी। इधर, बुधवार सुबह लोगों ने चंदेरिया में मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया और बाजार बंद करवा दिए। जानकारी के अनुसार चंदेरिया थाना इलाके में किराए से रहने वाले एक परिवार की तीन वर्षीय मासूम को उसी का पड़ोसी सलीम कमरे में ले गया। इसकी जानकारी मिलने पर उसकी मां और अन्य लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी लेकिन आरोप है कि पुलिस मौके पर नही पहुंची। बाद लोग आरोपी को लेकर थाने पहुंच गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह पुलिस उपाधीक्षक शिवलाल टेलर थाने में पहुंचे। पीड़िता की मां की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर दिया। वहीं पीड़िता का मेडिकल करवाया। आक्रोशित लोगों ने आरोप लगाया कि आरोपी के परिजनों ने भी उसे बचाने का प्रयास किया। उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाए। इस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह ने लोगों को स्पष्ट किया कि इस अपराध को हैवानियत की श्रेणी में रखा जाता है और इस प्रकरण के संदर्भ में पूरी कार्रवाई की गई है। भारतीय दंड संहिता के अनुसार अधिकतम धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। किसी भी स्थिति में आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर ठोस कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री के विजन और संकल्प पत्र के वादों को साकार करेगा बजट : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और राज्य की जनता से संकल्प पत्र में किए गए वादों के अनुसार राज्य बजट 2025-26 प्रस्तुत किया गया है। राज्य सरकार ने एक वर्ष के कार्यकाल में संकल्प पत्र के 58 प्रतिशत से अधिक वादे पूरे कर दिए है। उन्होंने कहा कि सर्वजनहिताय बजट राजस्थान के जन-जन और प्रदेश के कण-कण को समर्पित है। यह बजट राज्य का समग्र एवं सतत विकास सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री ने बुधवार को विधानसभा में उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी द्वारा राज्य बजट वर्ष 2025-26 प्रस्तुत किए जाने के बाद पत्रकार वार्ता में बताया कि हमारी सरकार पंडित दीन दयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी तथा डॉ. भीम राव अम्बेडकर की विचारधारा के अनुरूप कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जुलाई में प्रस्तुत परिवर्तित बजट की 96 प्रतिशत से अधिक घोषणाओं में हमने भूमि आवंटन कर दिया है तथा लगभग 85 प्रतिशत से ज्यादा घोषणाओं से संबंधित प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी जा चुकी है। शर्मा ने कहा कि संभवतया ऐसा पहली बार है कि सात माह के अल्प समय में ही बजट घोषणाओं को इतने वृहद स्तर पर धरातल पर उतारा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि देश की चार जातियों युवा, महिला, मजदूर और किसान के उत्थान से ही देश का विकास संभव है और प्रदेश का यह बजट आठ करोड़ राजस्थानियों की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर इकोनॉमी में बदलने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने बजट को जनहित में समर्पित और विकासोन्मुख बताते हुए कहा कि इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में ठोस प्रावधान किए गए हैं, जो राज्य के संपूर्ण विकास को सुनिश्चित करेंगे। आगामी वर्ष में 20 लाख घरों तक पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य लेकर राज्य सरकार कार्य करेगी। नगरीय क्षेत्रों में घर-घर नल से जल पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन शहरी शुरू किया जाएगा। इसमें 5 हजार 830 करोड़ रुपए की लागत से काम किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि राजस्थान भी अब ग्रीन बजट पेश करने वाले देश के चुनिंदा राज्यों में शामिल हो गया है। सस्टेनेबल ग्रीन प्रणाली को प्रोत्साहित करने, क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों से निपटने, बायोडायवर्सिटी, वाटर हार्वेस्टिंग, ग्रीन एनर्जी, रिसाइक्लिंग आदि को प्रोत्साहित करने के लिए कुल राज्य बजट की 11.34 प्रतिशत राशि का प्रावधान ग्रीन बजट के लिए किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किसानों की आय बढ़ा कर उन्हें आर्थिक रूप

से स्वावलंबी बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इस क्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत प्रदेश में दी जा रही 8 हजार रूपए की राशि को बढ़ा कर 9 हजार रूपए प्रति वर्ष करने की घोषणा की गई है। किसानों को गेहूं के एमएसपी पर दिए जा रहे 125 रुपए प्रति क्विंटल के बोनस के स्थान पर अब 150 रुपए प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले बजट में हमने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना शुरू की थी, अब इस बजट में इस योजना में बीमित पशुपालकों की संख्या को दोगुना किया जाएगा। गोशालाओं तथा नंदीशालाओं में प्रति पशु देय अनुदान बढ़ा कर 50 रूपए प्रति दिन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में युवाओं के लिए रोजगार सृजन के प्रावधानों को विशेष रूप से रेखांकित किया गया है। युवाओं के विकास एवं कल्याण के लिए राजस्थान रोजगार नीति 2025 लाई जाएगी जिसके अंतर्गत 500 करोड़ रुपए खर्च कर विवेकानंद रोजगार सहायता केंद्र की स्थापना की जाएगी। चार लाख सरकारी नौकरियों के वादे को पूरा करने की दिशा में आगामी वर्ष में सवा लाख पदों पर सरकारी भर्तियां की जाएंगी। निजी क्षेत्र में भी आगामी वर्ष में डेढ़ लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाया जाएगा। शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना के माध्यम से आंगनबाड़ी पर आने वाले 3 से 6 वर्ष के बच्चों को आगामी वर्ष से सप्ताह में 5 दिवस दूध उपलब्ध करवाया जाएगा। अल्प आय वर्ग के बुजुर्ग व्यक्तियों, विधवाओं, एकल नारियों, दिव्यांग व्यक्तियों तथा लघु एवं सीमांत कृषकों की पेंशन को आगामी वर्ष से बढ़ाकर 1250 रुपए प्रतिमाह किया जाएगा। विमुक्त घुमंतु और अर्ध घुमंतु समुदायों के सशक्तीकरण एवं उत्थान के लिए दादूदयाल घुमंतु सशक्तीकरण योजना प्रारंभ की जाएगी। राजीविका मिशन के अंतर्गत अब प्रदेश की 20 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य लिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आगामी वर्ष 975 करोड़ रुपए की इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट के कार्य हाथ में लिए जाएंगे। साथ ही प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए हेरिटेज पर्यटन, नाइट टूरिज्म, ग्रामीण पर्यटन, ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट विकसित करने के लिए बजटीय प्रावधान भी किए गए है। प्रयागराज महाकुंभ में की गई घोषणा के क्रम में राज्य में तथा राज्य के बाहर स्थित देवस्थान विभाग के मंदिरों के पुनरूद्धार के कार्य करवाए जाएंगे।

राज्यपाल बागडे और मुख्यमंत्री शर्मा ने किया शिवाजी शोभायात्रा का अभिनंदन

जयपुर (हिंस)। राजभवन में बुधवार को शिवाजी जयंती महोत्सव का आयोजन हुआ। इस दौरान राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने इससे पहले घोड़े पर सवार शिवाजी की शोभायात्रा का राजभवन में अभिनंदन किया। राज्यपाल बागडे ने इस अवसर पर कहा कि शिवाजी ने प्रजा को योग्य एवं प्रगतिशील प्रशासन प्रदान कर राष्ट्र को निरंतर गौरवान्वित किया। मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने शिवाजी के रण कौशल और छापामार युद्ध शैली को याद करते हुए भारतीय संस्कृति को प्रदत्त उनके महान योगदान को याद किया। उन्होंने जयंती पर उनके आदर्श अपनाने का आह्वान किया।

सभी वर्गों को समुचित लाभ और आगे बढ़ने के अवसर देने वाला बजट : शेखावत

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान का बजट सभी वर्गों को समुचित लाभ और आगे बढ़ने के अवसर प्रशस्त करने वाला है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *विकसित भारत संकल्प* को साकार करने की योजना की सुगढ़ चरणबद्धता राजस्थान सरकार के बजट में स्पष्ट दिख रही है। अपनी प्रतिक्रिया में शेखावत ने कहा कि राजस्थान की डबल इंजन सरकार ने बताया, राजस्थान विकसित भारत की दिशा में तेज रफ्तार से चल पड़ा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार की सोच है, *धर्म-आस्था* अध्यात्म, आत्मविकास, सद्भाव और राष्ट्रीय एकता के साथ ही अर्थशास्त्र को भी उन्नति प्रदान करते हैं। राजस्थान सरकार के बजट में धार्मिक पर्यटन को बढ़ाने, 975 करोड़ के विकास कार्य नए आयाम रचेंगे। शेखावत ने कहा कि बजट में जोधपुर-अजमेर-कोटा के लिए 575 करोड़ रुपए की सड़कों की सौगात क्षेत्र में विकास के नए द्वार खोलेगा। सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए सड़कों की विस्तार और विकास जरूरी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार की वित्तमंत्री दीया कुमारी ने 150 यूनिट फ्री बिजली और निःशुल्क विद्युत सेवा के लाभार्थी परिवारों को सोलर प्लेट की सुविधा देने की घोषणा कर नई सोच सामने रख दी है। यह राहत के साथ उन्नत होने की प्रकाशमय दिशा है। शेखावत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और वित्त मंत्री दीया कुमारी को बजट के लिए बधाई दी।

हिंदू साम्राज्य की स्थापना के लिए शिवाजी ने मुगलों से युद्ध किया : गुड्डू सैनी

मुरादाबाद (हिंस)। शिवसेना शिंदे गुट के तत्वावधान में बुधवार को मुरादाबाद जिला कार्यालय पर छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई गई। जिला प्रमुख गुड्डू सैनी महानगर प्रमुख मनोज कुमार के साथ ही शिवसैनिकों ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके आदर्श व चरित्र पर चलने का संकल्प लिया। गुड्डू सैनी ने कहा कि हिंदू साम्राज्य की स्थापना के लिए शिवाजी ने मुगलों से युद्ध किया। गुड्डू सैनी ने बताया कि 15 साल की उम्र में मुगलों खिलाफ फतह करने वाले शिवाजी महाराज को छत्रपति की उपाधि मिली थी। 15 वर्ष की आयु में शिवाजी महाराज ने पुणे में स्थित तोरणा किले की लड़ाई में अपने युद्ध कौशल के दम पर उन्होंने इसमें बाजी मारी थी। इस युद्ध से इतिहास में उन्हें जाना जाता है इसके बाद तो हिंदू साम्राज्य की स्थापना के लिए उनका सारा जीवन मुगलों से युद्ध करने में ही बीत गया। महानगर प्रमुख

मनोज कुमार ने बताया कि हिंदू साम्राज्य की नींव डालने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज को भला कौन नहीं जानता छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म महाराष्ट्र के पूरे स्थित शिवनेरी दुर्ग में 19 फरवरी 1630 को हुआ था। उन्होंने छोटी सी उम्र में ही तमाम चुनौतियों का सामना करना शुरू कर दिया था उन्होंने अपना पूरा जीवन ही धर्म की रक्षा में झोंक दिया। कार्यक्रम में विनोद कुमार सिरोही जिला वरिष्ठ उप प्रमुख, राकेश कुमार प्रजापति महानगर प्रमुख युवा सेना, ठाकुरदास सैनी, तिलक सैनी, प्रमोद सागर, ओमप्रकाश सैनी, विमल कुमार, रामप्रसाद प्रजापति, मनीष अग्रवाल, एडवोकेट चंद्रमणि ठाकुर, जीत सहगल कपिल देव ठाकुरदास सैनी मनीष प्रजापति सहित आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

जनता वोट की चोट से देगी भ्रष्टाचार का जवाब : कमल दीवान

सोनीपत (हिंस)। नगर निगम चुनाव में कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी कमल दीवान ने भ्रष्टाचार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कहा कि जनता इस बार वोट की चोट से भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करेगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम में भ्रष्टाचार चरम पर है, जिससे जनता को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कमल दीवान ने बुधवार को विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क कर जनता से कांग्रेस के समर्थन में मतदान की अपील की। उन्होंने राज मोहल्ला गुरुद्वारा, वैक्सन कॉलोनी, अनाज मंडी, मॉडल टाउन, जिला बार एसोसिएशन, राजीव नगर, गोविंद नगर, रूप नगर, सुभाष चौक और कच्चे क्वार्टर में जनता से मुलाकात की। इससे पहले, वह रेलवे स्टेशन पहुंचे और दैनिक रेल यात्रियों की समस्याएं सुनते हुए मतदान करने का अनुरोध किया। इस दौरान पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार भी उनके साथ उपस्थित रहे। कमल दीवान ने वादा किया कि वे मेयर बनते ही नगर निगम से भ्रष्टाचार का पूरी तरह सफाया किया जाएगा। किसी भी विकास कार्य को करवाने के लिए रिश्वत देना आम हो गया है, जिससे जनता परेशान है। भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि निगम क्षेत्र की समस्याओं की अनदेखी हो रही है। सफाई कर्मचारी धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर हैं, जबकि शहर में कूड़े के ढेर, टूटी सड़कों और अव्यवस्थित पेयजल आपूर्ति जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। जनता के आशीर्वाद से वह जीत हासिल करेंगे और सोनीपत को स्वच्छ और व्यवस्थित शहर बनाएंगे। सड़कें, गलियां पक्की करवाने, पेयजल आपूर्ति सुधारने और सीवरेज की समस्याओं का स्थायी समाधान करने का आश्वासन दिया। जनसंपर्क के दौरान क्षेत्रवासियों ने फूलमालाओं से उनका स्वागत किया और 2 मार्च को हाथ के निशान पर वोट देकर भारी बहुमत से विजयी बनाने का समर्थन किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार, पूर्व विधायक पदम सिंह दहिया, सुरेंद्र छिक्कारा, मनोज रिढाऊ सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

रसोई गैस सिलेंडर लीक होने से तीन झूलसे

नवादा (हिंस)। नवादा में गैस सिलेंडर लीक होने से आग लग गई। जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। यह हादसा नवादा जिले के पकरीबरावां थाने के छत्रवार गांव का है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को गैस सिलेंडर लीक होने से परिवार के तीन लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। जिन्हें डायल 112 के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां उनका प्राथमिक इलाज के उपरांत बेहतर इलाज हेतु नवादा रेफर कर दिया गया है। घटना में पीड़ित विनोद चौधरी की पत्नी सुनीता देवी रोटी पका रही थी और परिवार के सभी लोग एक साथ उसी स्थान पर बैठे थे। अचानक गैस लीक होने से घटना स्थल पर ही विनोद चौधरी एवं उनकी पत्नी सुनीता देवी, एवं 2 साल का बच्चा सुमन कुमार बुरी तरह झुलस गया। काफी शोर शराबा के बाद गांव के लोग पीड़ित के घर पहुंचकर जुट की बोरी से सिलेंडर को ढक्कर आग पर काबू पाया।

ममता बनर्जी का मृत्यु कुंभ कहना बेहद दुःखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण : नंदी

महाकुम्भ नगर (हिंस)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहे जाने पर उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने करारा प्रहार किया है। उन्होंने ममता बनर्जी के बयान को सनातन धर्म का अपमान बताया है। नंदी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ममता बनर्जी का महाकुंभ को मृत्यु कुम्भकहा जाना बेहद दुःखद है, दुर्भाग्यपूर्ण है। यह हिंदू विरोध व सनातन के प्रति घृणा का सबसे विकृत और निम्न स्तर है। कालजयी व मृत्युंजयी सनातन संस्कृति का महापर्व प्रारम्भ से ही इन सनातन द्रोहियों को रास नहीं आ रहा है। तमाम दुष्प्रचार और षड्यंत्रकारी बयानों के बाद भी हिंदू जनमानस के अपार उत्साह ने इन्हें विचलित कर दिया है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुंभ की व्यवस्थाओं और प्रबन्धन की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है। उन्होंने लिखा कि अब तक देश-विदेश के 54 करोड़ से अधिक श्रद्धालु सकुशल मां त्रिवेणी की गोद में स्नान कर चुके हैं। अभी भी अथाह जनसमूह अनवरत तीर्थराज प्रयाग की ओर अग्रसर है। यह अद्भुत और अद्वितीय दृश्य देखकर विपक्ष को अपनी

सियासी जमीन खिसकती नजर आ रही है। इसलिए बौखलाहट में विपक्ष लगातार इस तरह का जहर उगल रहा है। ममता बनर्जी को अविलंब साधू, सन्त, सन्यासियों और करोड़ों सनातनियों से हाथ जोड़कर माफी मांगनी चाहिए। केंद्रीय वित्त मंत्री का किया स्वागत बुधवार को महाकुंभ में मां गंगा, यमुना एवं अदृश्य सरस्वती की पावन त्रिवेणी संगम में केंद्रीय वित्त निर्मला सीतारमण का आस्था की डुबकी लगाने तीर्थराज प्रयाग आने पर औद्योगिक विकास मंत्री नंदी ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से हार्दिक स्वागत किया। कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में आयोजित महाकुंभ का विशाल आयोजन आस्था और अध्यात्म के अनुष्ठान का उत्सव है, एकात्मता एवं समरसता का जीवंत महोत्सव है।

पूर्व सैनिकों ने अपनी समस्याओं के निराकरण को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

अररिया (हिंस)। अररिया जिला के पूर्व सैनिकों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर डीएम अनिल कुमार से बुधवार को उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। किसी को भूमि विवाद, राजस्व विवाद, कई वीर नारियों को पेंशन से संबंधित समस्याएं, झूठे मुकदमे में फसने से संबंधित समस्याएं, लंबे समय से अनुश्रवण समिति की बैठक न होने के कारण विभिन्न तरह की उत्पन्न समस्याओं से डीएम को अवगत कराया गया।मांगों को लेकर पूर्व सैनिकों ने डीएम को एक ज्ञापन भी सौंपा। मौके पर डीएम ने सभी पूर्व सैनिकों को आश्वस्त किया गया कि हर तरह की वैधानिक समस्याओं को त्वरित दूर किया जाएगा।उन्होंने समस्याओं के लिए फोन एवं व्हाट्सएप के माध्यम से भी अवगत कराने को कहा। पूर्व सैनिकों ने बताया कि सदर डीएसपी अररिया से भी मुलाकात किया गया और जिला में सैनिक हेल्प डेस्क के गठन को लेकर चर्चा की गई। सेवारत सैनिक, पूर्व सैनिक वीर नारियों एवं सैनिक परिवारों की समस्याओं के समाधान के लिए इंस्पेक्टर मुकेश कुमार को नियुक्त करने की जानकारी दी गई। मौके पर पूर्व सैनिक सेवा परिषद के कैप्टन डीएन झा, प्रमंडलीय प्रभारी एवं अध्यक्ष खगेंद्र प्रसाद यादव, उपाध्यक्ष सह कानूनी सलाहकार अधिवक्ता रणजीत कुमार सिंह, सचिव दयानंद रजक, कोषाध्यक्ष नंदन कुमार, मोहन मेहता, चंदन यादव, अखिलेश कुमार, नारायण यादव, सूबेदार धीरज चौधरी, रामदेव मेहता सहित दर्जनों पूर्व सैनिक उपस्थित थे।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में :लगातार दूसरे दिन सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में :लगातार दूसरे दिन कोई उतार-चढ़ाव नहीं हुआ है। सोना :300 रुपये से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। :की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना :86,960 रुपये से लेकर 87,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना :79,710 रुपये से लेकर 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में :भी 1,00,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना :86,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना :87,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी :सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना :86,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

स्पोर्टी और प्रीमियम लुक के साथ इलेक्ट्रिक एसयूवी सेलियोन7 भारत में लॉन्च

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता बीवायडी ने भारतीय बाजार में नई इलेक्ट्रिक एसयूवी सेलियोन 7 लॉन्च कर दी है। यह प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी दो वेरिएंट्स में उपलब्ध होगी। प्रीमियम वेरिएंट की कीमत 48.9 लाख रुपए और टॉप-स्पेक परफॉर्मेंस वेरिएंट की कीमत 54.9 लाख रुपए एक्स-शोरूम रखी है। कंपनी ने कहा कि सेलियोन 7 की पहली 70 यूनिट्स की डिलीवरी 7 मार्च 2025 से शुरू होगी। सेलियोन 7 का डिज़ाइन इसे एक स्पोर्टी और प्रीमियम लुक देती है। इसमें प्रीमियम वेरिएंट के लिए 19-इंच और परफॉर्मेंस वेरिएंट के लिए 20-इंच अलॉय व्हील्स लगाए गए हैं। यह एसयूवी अटलांटिस ग्रे, ऑरोरा व्हाइट, कॉसमॉस ब्लैक और शार्क ग्रे जैसे चार रंगों में बाजार में आएगी। केबिन में 15.6-इंच का रोटेटिंग टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, पैनोरमिक ग्लास रूफ और वायरलेस चार्जिंग जैसी आधुनिक सुविधा से लैस है। सेफ्टी के लिहाज से सेलियोन 7 में 11 एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, ब्लाइंड स्पॉट डिटेक्शन, फॉरवर्ड कोलिजन वार्निंग, इमरजेंसी ब्रेकिंग और इंटेलिजेंट क्रूज़ कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इस एसयूवी में 82.56 केडब्ल्यूएसच एलएफपी बैटरी पैक है, जो 482 किमी की डब्ल्यूएलटीपी-प्रमाणित रेंज प्रदान करता है। परफॉर्मेंस वेरिएंट में 530एचपी की पावर और 690एनएम का टॉर्क मिलता है, जिससे यह 4.5 सेकंड में 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार से चलती है।

बाइक 390 ड्यूक की कीमत में 18,000 रुपये तक की कटौती

नई दिल्ली। बाइक निर्माता कंपनी केटीएम ने अपनी लोकप्रिय बाइक 390 ड्यूक की कीमत में 18,000 रुपये तक की कटौती कर दी है। इससे पहले केटीएम 390 ड्यूक की एक्स-शोरूम कीमत 3.13 लाख रुपये थी, लेकिन अब इसे 2.95 लाख रुपये में खरीदा जा सकता है। अगर आप 2025 में इस बाइक को खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यह आपके लिए एक बेहतरीन मौका हो सकता है। इस बाइक में 399सीसी का एलसी4सी इंजन दिया गया है, जो 46 पीएस की पावर और 39एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें असिस्ट और स्लिपर क्लच, राइड-बाय-वायर तकनीक और 6-स्पीड गियरबॉक्स मिलता है। केटीएम 390 ड्यूक में मोटरसाइकिल ट्रैक्शन कंट्रोल, स्ट्रीट और रेन राइडिंग मोड्स, लॉन्च कंट्रोल, क्विक शिफ्टर प्लस, सुपरमोटो एबीएस, कॉर्नरिंग एबीएस और ट्रैक स्क्रीन जैसे एडवांस फीचर्स दिए गए हैं। इस बाइक का सीधा मुकाबला ट्रंफ स्पीड, हार्ले डेविडसन 440एक्स, हीरो मारविक 440, कावासाकी निंजा 400 और बजाज डोमिनार 400 से है।

कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा को कर दिया 6 एयरबैग से लैस

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपनी सबसे ज्यादा बिकने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा को 6 एयरबैग से लैस कर दिया है। इसके अलावा सभी सीटों के लिए 3 पॉइंट ईएलआर सीटबेल्ट, फ्रंट सीटबेल्ट के लिए शोल्डर हाइट एडजस्टमेंट और एडजस्टेबल रियर हेडरेस्ट जैसे मानक सुरक्षा फीचर्स भी दिए गए हैं। 2025 ब्रेजा में अब सभी वेरिएंट्स में फ्रंट ड्राइवर और पैसेंजर एयरबैग, 2 साइड एयरबैग और 2 कर्टेन एयरबैग जैसे प्रमुख सुरक्षा फीचर्स शामिल होंगे। हालांकि, सुरक्षा फीचर्स में इस वृद्धि के साथ-साथ ब्रेजा की कीमत में भी इजाफा हुआ है। अब इस एसयूवी की कीमत 8.69 लाख रुपये से शुरू होकर 13.98 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक हो गई है। पहले इसकी शुरुआती कीमत 8.34 लाख रुपये थी। ब्रेजा में अब स्टैंडर्ड फीचर के तौर पर कप होल्डर के साथ फोल्डिंग रियर सेंटर आर्मरेस्ट भी शामिल किया गया है, जो इस अपडेटेड मॉडल को और आकर्षक बनाता है। जहां तक इंजन की बात है, ब्रेजा में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है। यह इंजन 5-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध रहेगा। सीएनजी वेरिएंट में यह इंजन 87 बीएचपी और 121.5 एनएम टॉर्क देगा। मारुति ने इस कदम के साथ अन्य कंपनियों के दबाव को ध्यान में रखते हुए अपने ग्राहकों को बेहतर सुरक्षा प्रदान की है इसमें 1.5-लीटर के15सी नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 102 बीएचपी और 139 एनएम टॉर्क उत्पन्न करता है।

सेबी ने म्यूचुअल फंड नियमों में किए बदलाव असेट मैनेजमेंट कंपनियों को दिए निर्देश

नई दिल्ली

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने म्यूचुअल फंड के नियमों में बदलाव करते हुए असेट मैनेजमेंट कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे नए फंड ऑफर से जुटाए गए पैसे को समय सीमा में ही निवेश करें। साथ ही रेगुलेटर ने निवेशकों को ज्यादा पारदर्शिता देने के लिए म्यूचुअल फंड स्कीम्स के स्ट्रेस टेस्टिंग की जानकारी देने को भी कहा है। ये बदलाव 1 अप्रैल, 2025 से लागू होंगे। इसका मकसद म्यूचुअल फंड्स के लिए कामकाज में लचीलापन लाना और निवेशकों के बीच जवाबदेही और भरोसा तय करना है।

सेबी ने 14 फरवरी को जारी एक अधिसूचना में कहा था कि एनएफओ में मिली राशि का इस्तेमाल तय समयसीमा में किया जाएगा। इस बारे में बोर्ड समय-समय पर निर्देश जारी कर सकता है। यह बदलाव सेबी बोर्ड द्वारा दिसंबर में एक प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद आया है। इसमें फंड मैनेजरों को एनएफओ के दौरान इकट्ठा की गई रकम को स्कीम के तय असेट एलोकेशन के मुताबिक 30 दिनों में निवेश करने को कहा था।

रेगुलेटर ने कहा था कि अगर तय समय सीमा में पैसा निवेश नहीं किया जाता है, तो निवेशकों को बिना एग्जिट लोड चुकाए स्कीम से बाहर निकलने का विकल्प होगा। ये बदलाव एएमसीएस को एनएफओ के दौरान ज्यादा पैसा इकट्ठा करने से रोकता है। इसकी वजह ये है कि निवेशक बाद में मौजूदा नेट असेट वैल्यू (एनएवी) पर ओपन-एंडेड स्कीम्स में निवेश कर सकते हैं। असेट मैनेजमेंट कंपनियों के कर्मचारियों के लिए काम करने में आसानी के लिए भी सेबी ने कदम उठाए हैं। सेबी का कहना है कि एएमसी ऐसे कर्मचारियों के वेतन का एक फीसदी म्यूचुअल फंड स्कीम की यूनिट में निवेश करेगा। यह कर्मचारियों के पोस्ट या भूमिका के आधार पर होगा।

फोनपे ने क्रेडिट और डेबिट कार्ड के लिए डिवाइस टोकनाइजेशन सॉल्यूशन किया लॉन्च

नई दिल्ली। फिनटेक मेजर फोनपे ने क्रेडिट और डेबिट कार्ड के लिए डिवाइस टोकनाइजेशन सॉल्यूशन लॉन्च करने का ऐलान किया है। इस लॉन्च के साथ यूजर्स फोनपे ऐप पर अपने कार्ड को टोकनाइज कर सकेंगे। फोनपे यूजर्स बिल पेमेंट, रिचार्ज, ट्रैवल टिकट बुकिंग, बीमा खरीदना, पिनकोड पर पेमेंट कार्ड के जरिए कर सकेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन मर्चेंट जहां फोनपे पेमेंट गेटवे सर्विस इंटीग्रेट हैं, वहां भी कार्ड टोकनाइज किया जा सकेगा। फोनपे के सह-संस्थापक और सीटीओ ने कहा कि यह लॉन्च डिजिटल पेमेंट को सुरक्षित और सहज बनाने की दिशा में अच्छा कदम साबित होगा। कार्ड पेमेंट नेटवर्क के साथ इंटीग्रेट कर और सभी फोनपे पीजी व्यापारियों को डिवाइस टोकनाइज्ड कार्ड तक पहुंच सक्षम कर इस पेशकश का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि फोनपे में हमने हमेशा ऐसे इनोवेटिव सॉल्यूएशन बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है, जो ग्राहकों के विश्वास और सुविधा को बढ़ाते हैं। बिजनेस और उपभोक्ताओं दोनों के लिए लेन-देन को सुरक्षित, तेज और बाधा रहित बनाते हैं। कंपनी के मुताबिक उपभोक्ताओं के लिए कार्ड को टोकनाइज करने से कई लाभ हैं। फोनपे ग्राहकों को अब मर्चेंट प्लेटफॉर्म पर अपने कार्ड की डिटेल्स सेव या हर ट्रांजैक्शन के लिए सीवीवी एंटर करने की जरूरत नहीं होगी, जिससे सक्सेस रेट ज्यादा होगा और चेकआउट के समय कम ड्रॉप-ऑफ होंगे। डिवाइस से सुरक्षित रूप से जुड़े टोकनाइज किए गए कार्ड के साथ चोरी या लीक हुए कार्ड डिटेल से धोखाधड़ी का जोखिम भी काफी कम हो जाता है, जिससे उपभोक्ताओं को सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम मिलता है और ऑनलाइन पेमेंट में उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ता है।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर अब सोलर पैनल और बैटरी बनाने लगाएगी प्लांट

नई दिल्ली

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर अब रिन्यूएबल एनर्जी यानी सौर और पवन ऊर्जा से जुड़े उपकरण बनाएगी। इससे कंपनी का विस्तार होगा। इस नए काम को संभालने के लिए इवान साहा और मुश्ताक हुसैन को सीईओ बनाया गया है। इवान साहा रिन्यूएबल मैन्युफैक्चरिंग के सीईओ होंगे। वहीं मुश्ताक हुसैन बैटरी मैन्युफैक्चरिंग के सीईओ होंगे।

सूत्रों ने बताया कि आरइंफ्रा रिन्यूएबल एनर्जी मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री में रणनीतिक रूप से प्रवेश कर रही है। कंपनी अपनी रणनीति के साथ इस क्षेत्र में कदम रख रही है। कंपनी ऐसा प्लांट लगाएगी जहां सोलर पैनल और दूसरे जरूरी उपकरण बनाए जाएंगे। इससे भारत में सोलर पैनल का प्रोडक्शन बढ़ेगा। सोलर मैन्युफैक्चरिंग का काम इवान साहा देखेंगे। उन्हें सेमीकंडक्टर और सोलर टेक्नोलॉजी में 30 साल से ज्यादा का अनुभव है। वह विक्रम सोलर और रिन्यू पावर जैसी बड़ी कंपनियों में काम कर चुके हैं।

कंपनी का काम संभालने इवान साहा और मुश्ताक हुसैन को बनाया सीईओ

आरइंफ्रा बैटरी का निर्माण भी करेगा। ये बैटरी बिजली स्टोर करने के काम आएगी। इनका इस्तेमाल बिजली ग्रिड और इलेक्ट्रिक गाड़ियों में होगा। मुश्ताक हुसैन बैटरी मैन्युफैक्चरिंग का काम देखेंगे। उन्हें ऑटोमोबाइल, रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और पावर टूल्स के क्षेत्र में 25 साल से ज्यादा का अनुभव है। वे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और टेस्ला जैसी बड़ी कंपनियों में अहम पदों पर रह चुके हैं।

कंपनी के इस फैसले के साथ ही इसके शेयर में कुछ तेजी आई है। मंगलवार को रिलायंस कंपनी के शेयर 1.70 फीसदी की बढ़त के साथ 248.80 रुपए पर बंद हुए। कई दिनों बाद कंपनी के शेयर में तेजी देखी गई। सोमवार को यह 244.65 रुपए पर बंद हुआ और मंगलवार को 248.30 रुपए पर खुला था।

कनाडाई इंटरनेशनल ऑटो शो

टोरंटो में कनाडाई इंटरनेशनल ऑटो शो में लोग लेगो टेक्निक मैकलरेन पी वन सुपरकार को देखते हुए। ये कार लेगो तकनीक से लैस है।

भारत में लॉन्च हुई अप्रिला टुयनो पॉवरफुल बाइक, प्राइज 3.95 लाख रुपए

नई दिल्ली

इटालियन बाइक निर्माता अप्रिला ने भारत के बाजार में अपनी नई स्पोर्ट्स बाइक टुयनो 457 लॉन्च की है। इस बाइक को बॉलीवुड अभिनेता और कंपनी के ब्रांड एंबेसडर जॉन अब्राहम ने पेश की है। इसकी एक्स-शोरूम प्राइज 3.95 लाख रुपए रखी गई है। ग्राहक बाइक को 10हजार रुपये की टोकन मनी के साथ ऑनलाइन या डीलरशिप के जरिए बुक कर सकते हैं। कंपनी के मुताबिक इसकी डिलीवरी मार्च 2025 से शुरू होगी। अप्रिला टुयनो 457 में 457सीसी का पैरलल ट्विन डीओएचसी 4वी लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 47.6 बीएचपी की पावर और 43.5 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें यूएसडी टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क और रियर में मोनोशॉक सस्पेंशन दिया गया है, जो बेहतरीन हैंडलिंग और कंफर्ट सुनिश्चित करता है। बाइक में एडवांस फीचर्स दिए हैं, जिनमें फुल एलईडी लाइट्स, टू-चैनल एबीएस के साथ ड्यूल मैपिंग, 17-इंच अलॉय व्हील्स, राइड-बाय-वायर सिस्टम, ट्रैक्शन कंट्रोल और क्विक शिफ्टर शामिल हैं। इसके अलावा, इसमें ईको, स्पोर्ट्स और रेन जैसे तीन राइडिंग मोड्स भी दिए गए हैं। डिजिटल डिस्प्ले के लिए 5-इंच टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मौजूद है। भारतीय बाजार में इस बाइक का मुकाबला केटीएम डुके 390, ट्रीएमपीएच स्पीड 400, हार्ले डेविसन एक्स440 और जीरो मावरिक 440 जैसी दमदार बाइक्स से होगा।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से :मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी :मामूली तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी :मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

सोमवार को प्रेसिडेंट डे की छुट्टी के बाद पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में खरीदारी का रुख बना रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.24 प्रतिशत उछल कर 6,129.58 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 20,032.62 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स :फिलहाल 0.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 44,592.74 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। एफटीएसई इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 8,766.73 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,206.56 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,844.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में :मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 173.61 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,096.79 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.28 प्रतिशत लुढ़क कर 22,911.62 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.15 प्रतिशत फिसल कर 23,630.19 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.46 प्रतिशत टूट कर 6,842.16 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,006.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,929.73 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने :बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 1.92 प्रतिशत उछल कर 2,677.29 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,260.95 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,342.48 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी में पहली बार खेलेंगे दस भारतीय खिलाड़ी

मुम्बई

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में इस बार भारतीय टीम में पिछली बार के केवल 5 ही खिलाड़ी शामिल हैं। ऐसे में इस बार करीब एक दस खिलाड़ियों को भारतीय टीम की ओर से डेब्यू का अवसर मिल सकता है।

इस बार कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के अलावा सारे ही नए खिलाड़ी हैं। यशस्वी जायसवाल और जसप्रीत बुमराह के संभावित खिलाड़ियों की सूची से बाहर होने के कारण वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा को अवसर मिला है साल 2017 में आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी को खेला गया था। अब 8 साल बाद इस आईसीसी टूर्नामेंट की वापसी होने जा रही है। पिछली बार पाकिस्तान ने भारत को हराकर इस ट्रॉफी को अपने नाम किया था। तब से अब तक आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन नहीं किया है। अब एक बार फिर से इस मेगा इवेंट का आयोजन किया जा रहा है। इतने लंबे अंतराल में कई भारतीय खिलाड़ियों ने संन्यास ले लिया है तो कुछ टीम में जगह नहीं बना पाए। भारतीय दल में शामिल 15 में से 5 खिलाड़ियों ने ही चैंपियंस ट्रॉफी खेला है.

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम में 10 खिलाड़ी पहली बार खेलेंगे। इसमें शुभमन गिल (उपकप्तान), श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं। उप कप्तान शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल, कुलदीप यादव और हर्षित राणा का खेलना तो पक्का माना जा रहा है। वहीं ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती को अंतिम ग्यारह में अवसर मिलना थोड़ा मुश्किल है।

टीम – रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रविंद्र जडेजा और वरुण चक्रवर्ती।

न्यूज ब्रीफ

वॉलीबॉल नेशंस लीग फाइनल 2025 की मेजबानी करेगा निंगबो

जिनेवा। पूर्वी चीन का निंगबो इस गर्मी में 2025 वॉलीबॉल नेशंस लीग (वीएनएल) पुरुष फाइनल की मेजबानी करेगा।–इंटरनेशनल वॉलीबॉल फेडरेशन (एफआईवीबी) ने मंगलवार को उक्त घोषणा की। निंगबो बेइलुन स्पोर्ट्स एंड आर्ट्स सेंटर 30 जुलाई से 3 अगस्त तक कार्यक्रम का आयोजन करेगा, जबकि महिलाओं का फाइनल 23 से 27 जुलाई तक पोलैंड के लॉड्ज़ में होगा। एफआईवीबी के अनुसार, हांगकांग और मकाओ ने 2024 में महिला वीएनएल के प्रत्येक दौर की मेजबानी की, 268 मिलियन दर्शकों को आकर्षित किया और चीन सेंट्रल टेलीविजन पर 168 घंटे का लाइव प्रसारण किया। एफआईवीबी ने यह भी कहा कि वीएनएल 2024 में चीन में दूसरा सबसे बड़ा खेल प्रसारण था, जिसकी अधिकतम दर्शक संख्या 23.6 मिलियन तक पहुंच गई थी। एफआईवीबी ने घोषणा की कि 2024 में वीएनएल ने वैश्विक स्तर पर उपस्थिति में 13 प्रतिशत की वृद्धि देखी।

मैक्सवेल विफल हुए तो ऑस्ट्रेलिया होगी बाहर : वॉन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि अगर ऑलरांउडर ग्लेन मैक्सवेल इस बार असफल रहे तो ऑस्ट्रेलियाई टीम आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हो जाएगी। वॉन के अनुसार मिशेल स्टार्क, नियमित कप्तान पैट कमिंस और जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही कमजोर है। ऐसे में नये गेंदबाजों के लिए पाकिस्तान और दुबई में बल्लेबाजों को रोकना कठिन होगा। कमिंस और हेजलवुड चोटों के कारण बाहर हो गए, जबकि स्टार्क ने निजी कारणों से टूर्नामेंट से बाहर होने का फैसला किया। वॉन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को अपने तीन मुख्य तेज गेंदबाजों की कमी खलेगी। मिचेल स्टार्क टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। कमिंस और जोश हेजलवुड भी नहीं हैं। उनका मुख्य तेज गेंदबाजी आक्रमण पाकिस्तान और दुबई में नहीं होगा। ऐसा लगता है कि यह ऑस्ट्रेलिया के लिए बहुत बड़ा झटका है। वॉन ने स्टीव स्मिथ को कप्तान बनाना सही फैसला है। साथ ही कहा कि सभी कप्तानों में से स्मिथ रणनीतिक तौर पर देखा जाये तो किसी भी अन्य कप्तान की तरह ही अच्छे हैं। हालांकि, तीन मुख्य तेज गेंदबाजों के गायब होने के कारण स्मिथ को चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को सफलता दिलाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उनके अनुसार मार्कस स्टोइनिस और मिचेल मार्श के टीम में नहीं होने से भी मैक्सवेल पर दबाव रहेगा। स्टोइनिस ने कुछ हफ्ते पहले ही एकदिवसीय से संन्यास की घोषणा की जबकि मार्श घायल हो गए थे। वॉन के अनुसार, मैक्सवेल ऑस्ट्रेलियाई टीम के ऐसे खिलाड़ी होंगे जिन पर सबकी नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि ग्लेन मैक्सवेल और स्पिनर एडम जम्पा ऑस्ट्रेलिया के मुख्य खिलाड़ी होंगे, लेकिन मुझे लगता है कि बहुत कुछ मैक्सवेल के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

ब्राज़ीलियन क्लब बोटाफोगो जाने के लिए तैयार पुर्तगाली कोच माटोस

रियो डी जनेरियो। ब्राज़ीलियन क्लब बोटाफोगो ने पुर्तगाली प्रबंधक वास्को माटोस को अपना नया मुख्य

कोच नियुक्त करने का समझौता कर लिया है। 44 वर्षीय माटोस ने दो साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए सहमति जताई है, जो दिसंबर 2026 तक चलेगा। स्थानीय समाचार आउटलेट ओ ग्लोबो की रिपोर्ट के अनुसार, रियो डी जनेरियो स्थित क्लब ने पुर्तगाल की शीर्ष लीग टीम सांता क्लारा के साथ माटोस के अनुबंध में रिलीज क्लॉज को सक्रिय करने के लिए 1 मिलियन यूरो का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है। हालांकि, आधिकारिक घोषणा से पहले कुछ प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी की जानी बाकी हैं। बोटाफोगो इस साल की शुरुआत से बिना स्थायी मैनेजर के था, जब पूर्व कोच अर्तुर जॉर्ज ने जनवरी में कतर क्लब अल-रेयान का दामन थाम लिया था। तब से टीम की जिम्मेदारी क्लाउडियो कैकापा को अंतरिम कोच के रूप में सौंपी गई थी। कैकापा अब फिर से अपनी पिछली सहायक कोच की भूमिका में लौट सकते हैं।

हैदराबाद एफसी पर लीग डबल पूरा करने उतरेगी मुम्बई सिटी एफसी

हैदराबाद

मुम्बई सिटी एफसी बुधवार शाम यहां जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में मेजबान हैदराबाद एफसी से भिड़ेगी, तो आइलैंडर्स का लक्ष्य हैदराबाद एफसी पर लीड डबल पूरा करना होगा, क्योंकि उन्होंने 30 नवंबर को रिवर्स फिक्स्चर 1-0 से जीता था। वहीं, मेजबान टीम अपने घर में लगातार तीसरी जीत हासिल करना चाहेगी, क्योंकि उसने अपने पिछले दो घरेलू मुकाबलों में जमशेदपुर एफसी को 3-2 से और मोहम्मडन एससी को 3-1 से हराया था।

मुम्बई सिटी 20 मैचों में आठ जीत, सात ड्रा और पांच हार से 31 अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर है। उसने पिछले पांच मैचों में दो जीते, दो ड्रा खेले और एक हार हारा है। हैदराबाद एफसी 20 मैचों में चार जीत, चार ड्रा और 12 हार से 16 अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में 12वें स्थान पर है। उसने अपने पिछले चार मैचों में दो जीते हैं।

हैदराबाद ने आईएसएल 2024-25 में हैडर से नौ गोल खाए हैं, जो संयुक्त सबसे अधिक है। उसने सबसे कम क्लीन शीट (2) रखी हैं, और सभी 13 टीमों में सबसे अधिक गोल (41) खाए हैं।

रामलुंचुंगा ने इस सत्र के दौरान फाइनल थर्ड में 17 बार कब्जा जीता है, जो सभी भारतीय खिलाड़ियों में सबसे अधिक है। उन्होंने एक गोल किया, तीन असिस्ट किए हैं, और विपक्षी बॉक्स के अंदर 25 टच दर्ज किए हैं।

मुम्बई ने अपने कुल पास का 27.5प्रतिशत (कुल 9,104 पास में से 2,502) डिफेंसिव थर्ड में बनाया है, जो 94.6प्रतिशत सटीकता के साथ लीग में सबसे ज्यादा है।

हैदराबाद के अंतरिम मुख्य कोच शमील चेम्बकथ ने आगामी मैच के लिए अपनी टीम की संभावनाओं पर बात की।

उन्होंने कहा, खिलाड़ी मुम्बई सिटी एफसी के खिलाफ मैच पर ध्यान लगा रहे हैं। हमने कड़ी ट्रेनिंग की है और घरेलू मैदान पर सकारात्मक प्रदर्शन करने की उम्मीद है। आइलैंडर्स के चेक हेड कोच पीटर क्रेटकी ने कहा कि मुम्बई सिटी में माकूल नतीजे पाने की क्षमता है।

उन्होंने कहा, खिलाड़ियों में क्षमता है और इसने हमें पूरे सत्र में महत्वपूर्ण अंक जीतने में मदद की है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि हम तालिका में यथासंभव उच्च स्थान पर पहुंचने की कोशिश करें।

आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 11 मुकाबले हुए हैं। मुम्बई सिटी एफसी ने चार बार जीत हासिल की है जबकि हैदराबाद एफसी ने दो मैच जीते हैं। पांच मुकाबले ड्रा रहे हैं।

डीविलियर्स के नाम हैं कई रिकार्ड

जोहांबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज एबी डीविलियर्स अपने आक्रामक क्रिकेट के कारण जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी तेज पारियों से कई बड़ें रिकार्ड कायम किये हैं जिन्हें तोड़ना किसी के लिए भी आसान नहीं होगा। इसए बल्लेबाज ने एक से बड़कर एक ऐसे शॉट लगाये जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। डीविलियर्स के नाम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का विश्व रिकॉर्ड है। यह रिकॉर्ड उन्होंने एक दशक पहले बनाया था जो आज तक कोई बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। उन्होंने 16 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया था। डीविलियर्स ने साल 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 16 बॉल पर ये रिकार्ड बनाया था। उन्होंने तब श्रीलंका के पूर्व सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या के रिकॉर्ड को तोड़ा था। जयसूर्या ने साल 1996 में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 17 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। डीविलियर्स एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने सबसे कम गेंदों पर शतक लगाया है जो आज तक कोई नहीं तोड़ पाया। यह विश्व कीर्तिमान उन्होंने साल 2015 में वेस्टइंडज के खिलाफ बनाया था।

शार्दुल ठाकुर काउंटी क्रिकेट में करेंगे डेब्यू, एसेक्स के लिए खेलेंगे सात मैच

नई दिल्ली

भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर काउंटी क्रिकेट में अपना पहला अनुभव हासिल करने के लिए तैयार हैं। 33 वर्षीय ठाकुर को 2025-26 काउंटी चैम्पियनशिप सीज़न के शुरुआती भाग में एसेक्स के लिए सात मैचों के अनुबंध पर साइन किया गया है।

शार्दुल ठाकुर ने अपने इस नए सफर को लेकर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं इस गर्मी में एसेक्स में शामिल होने के लिए उत्साहित हूं। यह मेरे लिए नई चुनौतियाँ और अवसर लेकर आएगा। काउंटी क्रिकेट हमेशा से मेरे लिए एक सपना रहा है और मैं ईगल्स का प्रतिनिधित्व करने को लेकर रोमांचित हूं।

मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन

2017 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से ठाकुर भारतीय टीम में अंदर-बाहर होते रहे हैं। वह आखिरी बार 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के लिए खेले थे। हालांकि, इस समय वह मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट में शानदार फॉर्म में हैं। उनकी गेंदबाजी के साथ-साथ निचले क्रम में उपयोगी पारियां खेलने की क्षमता ने मुंबई को रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

एसेक्स ने क्यों चुना ठाकुर

एसेक्स के क्रिकेट निदेशक क्रिस सिल्वरवुड ने ठाकुर को साइन करने को लेकर क्लब की ओर से जारी बयान में कहा, हम एक ऐसे तेज गेंदबाज की तलाश में थे, जो निचले क्रम में बल्लेबाजी में भी योगदान दे सके। शार्दुल इस भूमिका के लिए पूरी तरह फिट बैठते हैं और हम उन्हें अपनी टीम में शामिल कर बहुत खुश हैं।

एसेक्स का हमेशा से बल्लेबाजी में गहराई और निचले क्रम में आक्रामक ऑलराउंडर रखने का दृष्टिकोण रहा है। ठाकुर का यह संक्षिप्त कार्यकाल उन्हें नए अवसर प्रदान करेगा, जबकि एसेक्स को भी उनकी हरफनमौला क्षमताओं का फायदा मिलेगा।

अखिल भारतीय फुटबाल स्पर्धा की तैयारियां जोरों पर

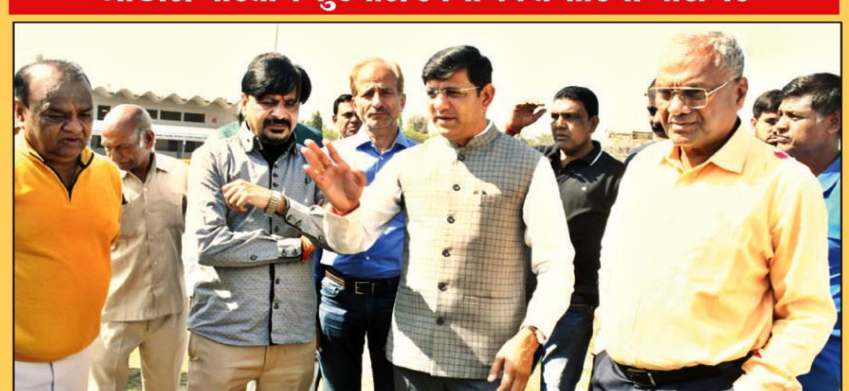

सेन्ट्रल जिमखाना क्लब की मेजबानी में प्रकाश सोनकर व सुरेश एरन की स्मृति में आयोजित अखिल भारतीय फुटबाल स्पर्धा की तैयारियां जोर-शोर से जारी है। नेहरू स्टेडियम के मैदान को विशेष रूप से संवारा जा रहा है। मोयरा सरिया, खेल एवं युवक कल्याण विभाग तथा नगर पालिक निगम इन्दौर के सहयोग से हो रही इस स्पर्धा में देश की जानी मानी टीमें भाग लेगी। पहला चरण 23 फरवरी से खेला जाएगा, और फिर उसके बाद देश की दिग्गज टीमें अपनी चुनौती पेश करेगी। स्पर्धा की तैयारियों का जायजा व मैदान का अवलोकन महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक महेन्द्र हार्डिया, रमेश मूलचंदानी, संजय लुणावत, पवन सिंघानिया व एमआईसी सदस्य नंदकिशोर पहाडिया ने किया। इस दौरान भारत मथुरावाला, रविन्द्र राठी, मनीष मित्तल, अरविन्द तिवारी, के.के. गोयल, पिल्लू कौशल, जितेन्द्र गर्ग, महेश दलोदरा, मोहन कप्तान, रमेश खण्डेलवाल, बी.के. गोयल, संजय विजयवर्गीय, मनोहर मस्ताना, अजय रावका, मुकेश जैन व अतुल अग्रवाल मौजूद थे। मैदान को संवारने का कार्य जमना सिलावट, नारायण खरबडीकर व शेख हमीद कर रहे है।

दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना ने जीता श्याम लाल मेमोरियल महिला हॉकी टूर्नामेंट का खिताब

नई दिल्ली

दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल इन्विटेशनल हॉकी टूर्नामेंट के महिला वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में एलुमना ने इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेस को 2-1 से मात दी।

श्याम लाल कॉलेज के मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में विजेता टीम के लिए दोनों गोल अक्षिता ने दागे, जबकि पराजित टीम के लिए एकमात्र गोल सोमवती ने किया। शानदार खेल के लिए दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना की अक्षिता को प्लेयर ऑफ द मैच, जबकि मनिता को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड मिला।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि रोहतास नगर के विधायक एवं भाजपा नेता जितेंद्र महाजन ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर श्याम लाल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. रबि नारायण कर, दिल्ली यूनिवर्सिटी की फिजिकल एजुकेशन विभागाध्यक्ष प्रो. सरिता त्यागी, डीयूएससी के असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. सुशील कुमार, एम्यूनोथेरेपिस्ट डॉ. जमाल अनोनो खान और जाकिर हुसैन कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. नरेंद्र ने खिलाड़ियों को अन्य पुरस्कार वितरित किए।

श्याम लाल कॉलेज की स्पोर्ट्स कमेटी के संयोजक वी.एस. जग्गी ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि जितेंद्र महाजन ने कहा, मुझे खुशी है कि हमारी बेटियां पूरे जोश और उत्साह के साथ हॉकी टूर्नामेंट में उतरीं। कॉलेज को इस आयोजन के लिए बधाई। गौरतलब है कि मेजबान श्याम लाल कॉलेज ने इस टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग का खिताब जीता।

बांग्लादेश के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी मुकाबले में अर्शदीप को शामिल करे भारत : पोंटिंग

दुबई

भारतीय क्रिकेट टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में अपना पहला मैच गुरुवार को बांग्लादेश से खेलेगी। इसी को लेकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि भारतीय टीम को इसमें हर्षित राणा की जगह पर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को शामिल करना चाहिये।

पोंटिंग के अनुसार इस टूर्नामेंट में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में अर्शदीप अहम भूमिका निभा सकते हैं। राणा ने हाल में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर अंतिम ग्यारह के लिए अपनी दावेदारी पक्की की थी।

पोंटिंग ने कहा कि मैं पहले मैच के लिए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को

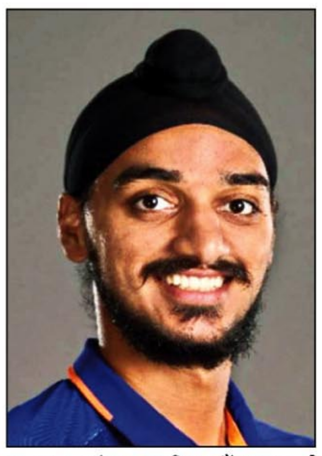

रखना चाहूंगा। इसलिए मैं राणा की जगह अर्शदीप को टीम में रखना चाहूंगा। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि अर्शदीप कितना अच्छा गेंदबाज है और अगर कौशल की बात करें तो शायद उसके पास भी बुमराह जैसा कौशल है। वह नई गेंद से डेथ ओवरों में प्रभावी प्रदर्शन करने में सक्षम है।

पोंटिंग ने कहा कि हर्षित भी एक अच्छा गेंदबाज है। मुझे लगता है कि वह काफी प्रतिभाशाली हैं और हम सभी जानते हैं कि नई गेंद से वह क्या कमाल कर सकता है पर मुझे नहीं लगता कि डेथ ओवरों में वह अर्शदीप जैसी भूमिका निभा सकता है।

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि अंतिम एकादश में बाएं हाथ का तेज गेंदबाज होना अंतर पैदा करता है। इससे आक्रमण को विविधता मिलती है। टीम में नई गेंद संभालने और मूव करने में सक्षम गेंदबाज की हमेशा ही जरुरत होती है।

पाक के पूर्व गेंदबाज गुल ने कहा, करीबी दोस्त की मौत से टूटकर लिया था संन्यास

कराची। पाकिस्तान में एक ओर जहां आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी शुरु हो रहा है। वहीं पूर्व तेज गेंदबाज उमर गुल का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इसमें उमर ने अपने अचानक संन्यास का कारण सबसे करीबी दोस्त की मौत से लगे सदमे को बताया है। जब एक टीवी शो में उमर से जब एंकर ने उनसे पूछा कि क्या उनके जीवन में कभी ऐसा पल आया जिससे वह टूट गये तो उन्होंने कहा, हां, ऐसा हुआ है, उमर ने पाकिस्तान के लिए 47 टेस्ट, 130 एकदिवसीय और 60 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने 16 अक्टूबर 2020 में अचानक ही खेल से संन्यास ले लिया था। अब गुल ने पहली बार इसका कारण बताया है और कहा है कि करीबी दोस्त की अचानक हुई मौत से वह दुखी हो गये थे। गुल ने बताया कि सबसे अच्छ दोस्त की अचानक मौत ने उनके तोड़कर रख दिया। उन्होंने कहा कि इस बात को आज तक अपनी पत्नी को भी नहीं बताया है। गुल ने कहा, ईमानदारी से कह रहा हूं, आज तक मैंने कभी अपनी पत्नी को भी नहीं बताया, कि मेरे संन्यास लेने की वजह क्या है। इसका कारण मेरे करीबी दोस्त करीम की सड़क हादसे में हुई मौत है।

तनावमुक्त रहना है तो रोज करें वृक्षासन

वृक्षासन यानी पेड़ के समान। यह आसन करने से मनुष्य की आकृति पेड़ के समान हो जाती है। यही कारण है कि इसे वृक्षासन कहते हैं।

इस आसन से न सिर्फ शारीरिक रूप से हमें लाभ पहुंचाता है वरन इसके करने से हमें मानसिक सुकून भी मिलता है। जहां एक ओर वृक्षासन से हमारे शरीर के विभिन्न अंग विशेषों को लाभ पहुंचता है, वहीं दूसरी मानसिक तनाव को भी यह आसन दूर रखता है। कहने का मतलब यह कि मानसिक सुकून चाहिए तो वृक्षासन कीजिए। इसके बारे में विस्तार से जानिए।

इस आसन के लाभ

वृक्षासन के असंख्य लाभ है बशर्ते इसे नियमानुसार किया जाए। साथ ही इसकी सावधानियां भी बरती जाएं। योग विशेषज्ञों की मानें तो वृक्षासन सुबह उठकर किया जाए तो इसका हमें फायदा पहुंचता है। इसके नियमित करते से

बेडौल शरीर सुडौल बनता है। जिन्हें घुटने के दर्द की शिकायत है, वृक्षासन करने से उन्हें घुटनों के दर्द से मुक्ति मिलती है। यह आसन उन लोगों के लिए खासकर लाभकर है जिन्हें चलने का काम ज्यादा करना पड़ता है। मसलन यदि आप सेल्स पर्सन हैं या किसी कूरिअर कंपनी में काम करते हैं तो इस आसन को अवश्य करें। इसकी एक वजह यह है कि वृक्षासन हमारे पैरों को मजबूती प्रदान करता है।

इतने में ही वृक्षासन की खूबी खत्म नहीं होती। नियमित वृक्षासन करने से हमारी एकाग्र क्षमता बढ़ती है। एकाग्र क्षमता जो कि हमारे याद्दाश्त की बेहतर होने की निशानी है। यह कहने की जरूरत नहीं है कि मौजूदा दौर में बेहतर कॅरिअर, बेहतर सम्बंध आदि के लिए बेहतर याद्दाश्त कितनी जरूरी है। यह आसन सिर्फ पुरुष करें, ऐसा जरूरी नहीं है। इस आसन में घर की महिलाएं और बच्चों को भी भाग लेना चाहिए।

वृक्षासन पैरों को मजबूत तो बनाता ही है। साथ ही यह स्नायुमण्डल का विकास कर पैरों को स्थिरता प्रदान करता है। यह कमर और कूल्हों के आसपास जमीं अतिरिक्त चर्बी को हटाता है। मतलब यह है कि अगर आपका वजन ज्यादा है यानी आप मोटे हैं तो यह आसन आपको विशेष रूप से लाभ पहुंचा सकता है। चर्बी घटाने के बाद यह आसन शरीर को कमजोर नहीं करता वरन मजबूती देता है। अगर आप अपनी बढ़ती तोंद से परेशान हैं तो इस आसन को अवश्य करें।

कैसे करें यह आसन

सावधान मुद्रा में खड़े हो जाएं। अब दोनों पैरों के बीच कुछ दूरी बनाकर खड़े रहें। फिर हाथों को सिर के ऊपर उठाते हुए सीधा कर हथेलियों को मिला दें।

अब दाहिने पैर को मोड़ते हुए उसके तलवे को बाई जांघ पर टिका दें। बाएं पैर पर संतुलन बनाते हुए हथेलियां, सिर और कंधे एक ही सीध में हों। जब तक संभव हो ऐसे रहें। कुछ देर बाद अन्य पैर से भी यह दोहराएं।

बरतें सावधानी

हमेशा यह ध्यान रखें कि आसन करने से पहले किसी विशेषज्ञ की राय अवश्य लें। यदि आप स्वयं वृक्षासन कर रहें हैं तो आपको अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है। इसकी एक वजह यह है कि अगर आप वृक्षासन सही से नहीं करेंगे तो हो सकता है कि आसन को सकारात्मक असर की बजाय नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। इसे नियम, समय और सही तरीके का हमेशा ख्याल रखें। यूं तो वृक्षासन सबके लिए हितकर है। लेकिन यह जानना आवश्यक है कि वृक्षासन से किन लोगों को दूरी बनाए रखनी चाहिए। अगर आपको नींद से सम्बंधित कोई शिकायत है या अनिद्रा का रोग है तो इस आसन को न करें। सिरदर्द भी इसे न करने की एक ठोस वजह है। नियमित सिरदर्द की शिकायत वालों को यह आसन तनावमुक्त करने की बजाय तनाव से भर देगा। ब्लड प्रेशर के मरीजों को भी वृक्षासन नहीं करना चाहिए।

एंटीबायोटिक दवाएं खो रहीं अपना असर

बीमारी से जल्द ठीक होने के लिए लोग एंटीबायोटिक्स दवाओं को इस्तेमाल धड़ल्ले से करते हैं। लेकिन अब एंटीबायोटिक दवाओं के असर को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि आज के समय में ऐंटीबायोटिक रेजिस्टेंस एक नई समस्या के रूप में उभर रहा है। ऐंटीबायोटिक रेजिस्टेंस वह स्थिति है जिसमें कोई बैक्टीरिया एंटीबायोटिक दवा के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता पैदा कर लेता है।

मोटापा कमजोर कर सकता है बच्चों की हड्डियां

एक नए अध्ययन से पता चला है कि मोटापा बच्चों की मांसपेशियों के साथ ही हड्डियों को भी कमजोर करता है। अध्ययन के अनुसार, मोटापे से जुड़ा एक्सट्रा फैट मांसपेशियों में जमा हो जाता है और यही फैट बच्चों की हड्डियों की कम वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। इन स्थितियों से निपटने के लिए बच्चों को उचित आहार और शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से एक स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित करना चाहिए।

बढ़ रहा है बांझपन

आजकल बदलती जीवनशैली ने जहां जीवन का स्तर बदला है, वहीं बहुत सी समस्याओं को भी जन्म दिया है। ऐसी ही समस्याओं की सूची में से एक है इन्फर्टिलिटी। हालांकि इन्फीर्टिलिटी जैसी समस्या पर लोगों का ध्यान भी अधिक समय बाद जाता है जिससे कि यह समस्या और जटिल हो जाती है। खान-पान ,नौकरियों और रहन सहन में आये बदलाव ने जहां जीवन का स्तर बदला है, वहीं कहीं ना कहीं हमारी समस्याएं भी बढ़ाई हैं ।

शारीरिक समस्याओं का सामना

मीडिया, काल सेंटर जैसी नौकरियों में समय की कोई बाध्यता ना होने के कारण व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। समय से ना सोने और जगने से अनिद्रा, डिप्रेशन जैसी समस्याएं होना बहुत ही आम है। इन्हीं समस्याओं की सूची में से एक है 'इन्फार्टिलिटी'। हालांकि इन्फीर्टिलिटी जैसी समस्या पर लोगों का ध्यान भी अधिक समय बाद जाता है जिससे कि यह समस्या और जटिल हो जाती है।

शहरी वातावरण में बढ़ते प्रदूषण और टाक्सिन ने 45 से 48 प्रतिशत इन्फर्टिलिटी के मामले बढ़ा दिए हैं। जीवनशैली में बदलाव और खानपान की गलत आदतें भी अप्रत्यक्ष रूप से इन्फर्टिलिटी की ज़िम्मेदार हैं। पेस्टिसाइड और प्लास्टिक का खानपान के दौरान हमारी फूड चेन में आना हार्मोन के स्तर को प्रभावित करता है। यूनिवर्सिटी आफ नार्थ कैरालिना, चैपल हिल के शोधकर्ताओं ने यह पता लगाया है कि वो महिलाएं जो नाइट शिफ्ट में काम करती हैं उनमें समय से पहले प्रसव की सम्भावना रहती है । बढ़ती इन्फर्टिलिटी के कुछ प्रमुख कारण हैं

अधिक उम्र में विवाह

आज तरक्की और सफलता की चाह में पुरूष और महिला कम उम्र में विवाह नहीं करना चाहते । विवाह के अधिक उम्र में होने पर बच्चे के बारे में सोचने में भी उन्हें समय लग जाता है। महिलाएं भी आज ज्यादा आत्मनिर्भर होने लगी हैं और वो कम उम्र में बच्चा नहीं चाहतीं ।अधिक उम्र में विवाह होने से स्त्रियों में ओवम की क्वालिटी प्रभावित होती है और इन्हीं कारणों से उनमें इन्फर्टिलिटी की सम्भावना भी बढ़ जाती है। दूसरे कारण जो आजकल अधिकांश स्त्रियों में पाये जा रहे हैं वो हैं फाइब्रायड का बनना, एन्डोमैट्रियम से सम्बन्धी समस्याएं। उम्र के बढ़ने के कारण हाइपरटेंशन जैसी दूसरी समस्याएं भी आ जातीं हैं और इनके कारण महिलाओं में फर्टिलिटी प्रभावित होती है ।

काम का दबाव

काम के दबाव के कारण व्यायाम का समय निकालना हर किसी के लिए बहुत मुश्किल होता है । काल सेन्टर और मीडिया की नौकरी में समय की बाध्यता ना होने के कारण काम का दबाव और प्रतियोगिता भी दिनों दिन बढ़ती जा रही है । इन कारणों से पूरी नींद ना सो पाना भी बहुत से लोगों में आम है। हेड आफ गायनाकालाजिस्ट डिपार्टमेंट मिसेज दिनेश कन्सल का कहना है कि आज हमारे जीवन में रिप्रोडक्शन से ज्यादा ज़रूरी हो गयी है हमारी तरक्की और इसी कारण से हमारा ध्यान घर से ज्यादा अफिस के कामों में लगा रहता है। अधिक समय तक काम करने के बाद आफिस से थककर घर आने के बाद अधिकतर कपल्स में सेक्स की इच्छा में भी कमी हो जाती है।

धूम्रपान , कोकीन और स्टेरायड का इस्तेमाल

धूम्रपान , कोकीन और स्टेरायड के इस्तेमाल से सीमेन की गुणवत्ता खराब हो जाती है। धूम्रपान से स्पर्म की गिनती और गतिशीलता कम होती है और यह होने वाले बच्चे में आनुवांशिक तौर पर बदलाव भी कर सकता है ।इसी प्रकार से अल्कोहल भी टेस्टोस्टेरोन के उत्पादन को कम करता है। किसी प्रकार की दवाओं या ड्रग्स के गलत तरीके से इस्तेमाल के कारण भी इन्फर्टिलिटी हो सकती है। स्टेरायड जैसे हार्मोन हमारे शरीर के हार्मोन के स्तर में बदलाव लाते हैं जो कि हमारे स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकते हैं। बीमारी होने पर भी चिकित्सक की सलाहानुसार ही दवाएं लेनी चाहिए। हम कह सकते हैं कि विज्ञान ने बहुत तरक्की कर ली है और बहुत सी बीमारियों के उपचार भी ढूंढ निकाले है लेकिन इनफर्टिलिटी जैसी समस्या से निदान पाना कई स्थितियों में बहुत मुश्किल हो जाता है और कभी कभी नामुमकिन। इनफर्टिलिटी के बहुत से कारक हो सकते हैं, लेकिन ऐसी समस्या पर समय पर ध्यान देकर आप मातृत्व और पैतृत्व का सुख उठा सकते हैं अधिक उम्र में विवाह होने पर चिकित्सक का परामर्श लें। अगर आप विवाह के तुरंत बाद बच्चा नहीं चाहते, तो भी चिकित्सक से सम्पर्क करें।

- शराब, सिग्रेट, कोकीन जैसे मादक पदार्शों से दूर रहें।
- अस्वस्थ सेक्सुअल आदतों से बचें।
- स्वस्थ आहार लें और आफिस के बाद सैर पर जाएं या प्रतिदिन व्यायाम के लिए कुछ समय जरूर निकालें।

स्वास्थ्य समस्याएं

हाइपरटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं जिन्हें कि बुजुर्गों की बीमारी माना जाता था । आज वह युवाओं में भी बहुत आम हो गयी हैं और इनका प्रभाव व्यक्ति की सेक्सुअल लाइफ पर भी पड़ता है । हेड आफ गायनाकालाजिस्ट डिपार्टमेंट मिसेज दिनेश कन्सल जीवनशैली में बदलाव को इन्फर्टिलिटी का कारक मानती हैं । डायबिटीज, पी सी ओ डी (पालीसिस्टमिक ओवरियन डिजीज) के कारण महिलाओं मे बहुत सी बीमारियां आम हो गयी हैं । 60 से 70 प्रतिशत महिलाओं में ओवुलेशन की क्रिया ही नहीं होती ।

वज़न का बढ़ना और व्यायाम की कमी के कारण भी सही मात्रा में हार्मोन नहीं बन पाते। बचपन से ही लोगों में कंम्यूटर और लैपटाप पर बैठना आम है और यह कारण भी कहीं ना कहीं इन्फर्टिलिटी के जिम्मेदार होते हैं।

क्या है सर्दियों में जोड़ों के दर्द का तोड़

जोड़ों का दर्द यानी ज्वाइंट पेन की समस्या आजकल आम होती जा रही है। इस समस्या से परेशान लोगों की मुश्किलें सर्दी के मौसम में और भी बढ़ जाती हैं। पढ़े ऐसे लोगों के लिए क्या-क्या सावधानियां जरूरी हैं।

अमूमन देखा गया है कि सर्दियों में जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि जो लोग पहले से ही इस समस्या से गुजर रहे होते हैं या कहें कि आर्थराइटिस या गठिया के मरीजों में अकसर ठंड के मौसम में यह समस्या बढ़ जाती है। ठंड के मौसम में हमारी रक्त नलियां संकुचित हो जाती हैं, इसलिए जोड़ों का दर्द बढ़ा हुआ जान पड़ता है।

हालांकि इससे कोई नई समस्या पैदा नहीं होती। जिन लोगों में ऐसी कोई समस्या पहले से ही होती है, लेकिन वे इसकी जांच नहीं कराते और इसे दरकिनार करते रहते हैं, उन्हें ठंड के मौसम में ज्यादा परेशानी होने लगती है। इसके अलावा इस मौसम में अधिक उम्र के लोगों, खासकर जिन्होंने पहले घुटने का रिप्लेसमेंट करवाया हो, को जानकारी के अभाव में इस दर्द से दो-चार होना पड़ता है।

ऐसे पहचानें

अगर रोजमर्रा के काम करने में परेशानी हो रही हो, 10 से 15 मिनट चलने के बाद दर्द शुरू हो जाता हो, घुटनों के आसपास सूजन आ रही है तो समझ लें कि जोड़ों की समस्या है। तुरंत डॉक्टरी सलाह लें।

क्या हैं कारण

आज की तनाव भरी जीवनशैली, सूरज की किरणें न मिल पाना, खाने-पीने में कैल्शियम की प्रचुर मात्रा न होना, नियमित रूप से व्यायाम न करना और शरीर को आवश्यक विटामिन डी-3 उपलब्ध न करा पाना आदि सामान्यतः जोड़ों में दर्द की समस्या का सबसे बड़ा कारण हैं। हालांकि कई बार युरिन की परेशानी भी इसका कारण हो सकती है। महिलाओं में हारमोनल डिस्टर्बेंस, मासिक धर्म, मेनोपॉज और तनाव इसका बड़ा कारण माने जाते हैं।

जांच है आसान

एक्सरे, एमआरआई और रक्त की जांच से इसके वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सकता है।

क्या करें

- जोड़ों को खुली हवा से बचा कर रखें। गर्म या ऊनी कपड़े पहने रहें।
- नियमित रूप से व्यायाम करना न भूलें। व्यायाम से शरीर में रक्त का संचार व्यवस्थित होता है, जिससे शरीर का तापमान संतुलित रखने में मदद मिलती है।
- खाने में कैल्शियम, प्रोटीन्स और मिनरल्स प्रचुर मात्रा में शामिल करें।

समस्या को पहचानें

ज्वाइंट पेन का मतलब आर्थराइटिस नहीं होता। 35 साल की उम्र के बाद जोड़ों की समस्या होना सामान्य है। नी-पेन मांसपेशियों के कमजोर होने की वजह से भी हो सकता है।

क्या करें

- दर्द बढ़ता जा रहा हो तो फौरन ऑथरेपेडिक्स की सलाह लें। हालांकि फिजियोथेरेपिस्ट भी एक्सरे और एमआरआई देख कर दर्द का कारण समझ लेते हैं।
- यदि गठिया की समस्या नजर आती है तो हड्डी विशेषज्ञ उसका सही इलाज करते हैं। फिजियोथेरेपिस्ट से सही तरह से व्यायाम करने की जानकारी लेना जरूरी हो जाता है।
- फिजियोथेरेपिस्ट व्यायाम के जरिए आपकी मांसपेशियों की स्टिफनेस को दूर करते हैं और कमजोर हो रही मांसपेशियों को व्यायाम के जरिए मजबूत बनाए रखते हैं

हल्की सर्दी में काम के हैं पोंचू...

किसी जमाने में दादी-नानी के हाथों में क्रोशिया की सिलाई देखी जाती थी और घरों में क्रोशिया से बुने हुए तकिए के कवर, रुमाल, शो पीस और अन्य सामान आसानी से देखे जाते थे। बदलते वक्त और भागदौड़ की व्यस्त जिंदगी में घरों और बाजारों में क्रोशिया की बुनी हुई चीजें गायब होती चली गईं। बाजार में अब क्रोशिया से बने वेस्टर्न और इंडियन आउटफिट का बोलबाला शुरू हुआ है, जिसमें फैशन डिजाइनर नए-नए फ्यूजन के साथ कपड़ों को तैयार कर रहे हैं। इनहें पहनने से आप आकर्षक तो लगते ही हैं, साथ ही फैशन में एक नयापन भी आया है। आज हम आपके सामने क्रोशिया , सिल्क, वूलन आदि से बने पोंचू लेकर आए है जिनहें आप सर्दीयों के मौसम में भी पहन सकती है। दिन की नरम धूप हो या शाम की हल्की सर्दी, ऐसे समय में आपको सेफ रखते हैं पोंचू। इन्हें आप किसी भी ड्रेस के ऊपर पहन सकते है। आपकी सिंपल ड्रेस भी पोंचू से खूबसूरत बन जाती है। चलिए आज आप को बताते हैं पोंचू के भी कई वैराइटीज हैं जिसको लेकर आप एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं।

क्रोशिया से बने पोंचू

क्रोशिया से बने पोंचू को गर्मी और सर्दी दोनो मौसम में पहना जा सकता है। गर्मियों में धागे से बने पोंचू और सर्दियों में ऊनी पोंचू पहने जाते हैं। इसे गर्मियों में बोरिंग ड्रेस को ग्लैमरस लुक देने और धूप से बचने के पहना जाता है।

निटेड पोंचू

जहां क्रोशे पोंचू गर्मियों के लिए उचित हैं वहीं निटेड पोंचू आपको ठंड से सुरक्षा देते हैं। ये अपको ट्रेंडी और वार्म लुक देते हैं।

एम्ब्रॉयडेड पोंचू

ये ट्रेडिशनल पोंचू हैं जो कई वैरायटी और पैटर्न व स्टाइल में मिलते हैं। ये बहुत एलेगेंट फैब्रिक में आते हैं।

वूलन फैब्रिक पोंचू

वूलन फैब्रिक पोंचू सर्दियों से बचाव के लिए हैं। इन्हें ऊन से बुना नहीं जाता बल्कि वार्म वुलन फैब्रिक से बनाया जाता है। इनकी गर्माहट इनके फैब्रिक पर डिपेंड करती है। हुडेड और टर्टलनेक पोंचू विद हुड जैसे ज्यादातर पोंचू बच्चों के लिए बनाए जाते हैं।

सिल्क पोंचू

सिल्क पोंचू वजन में हल्के होते हैं जिन्हें आप बतौर एक्सेसरी पहन सकते हैं जो आपके पहनावे को नया लुक देंते है।

तनाव घटाने के लिए लोग करते है कुछ ऐसा

आप तनाव महसूस कर रहे हैं। तो आप क्या करना चाहेंगे। जाहिर तौर पर म्यूजिक सुनना चाहेंगे या चहलकदमी करना चाहेंगे। पर दक्षिण कोरिया में आजकल लोग तनाव को भगाने के लिए मरने के बाद की लाइफ में जाना चाहते हैं। और ऐसा महसूस कराने के लिए बाकायदा कंपनियां भी हैं, जो ये काम कर रही हैं। जी हां, दक्षिण कोरिया में लोग 10 मिनट ताबूत में रहते हैं। मरने के बाद की जिंदगी को लेकर धर्मगुरुओं से ज्ञान भी लेते हैं। ताकि वो तनाव को भगा सकें। हैरानी की बात है कि ऐसा करने वाले बाद में कहते हैं कि उन्हें ऐसा करके अच्छा लगा। वांग योंग यो(67) नाम की महिला ने कहा कि 10 मिनिट मरने के बाद की जिंदगी बिताकर मुझमें नया उत्साह आ गया है। ऐसा लगता है कि मुझे नई जिंदगी मिली है। और मैं नई शुरुआत कर सकती हूं। कोरिया में तनाव घटाने के लिए लोग करते हैं मरने के बाद की जिंदगी का अहसास! सोचिए, आप तनाव महसूस कर रहे हैं। तो आप क्या करना चाहेंगे। जाहिर तौर पर म्यूजिक सुनना चाहेंगे या चहलकदमी करना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि मेरी मां मुझसे बहुत प्यार करती थी, वो कम उम्र में ही चली गई। वो बहुत खूबसूरत थी। दक्षिण कोरिया में मॉक फ्यूनरल मतलब मरने के बाद के अंतिम संस्कार का अभ्यास अब नया ट्रेंड बनता जा रहा है। ऐसा कराने के लिए तमाम कंपनियां भी मैदार में उतर चुकी हैं। और अब ये बड़ा बिजनेस बन चुका है।

रेसिपी

पालक मेथी ना मुठीया

सामग्री

2 कप बारीक कटी हुई पालक, 1 1/2 कप बारीक कटी हुई मेथी, नमक स्वादअनुसार, 2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 2 टेबल-स्पून गेहूं का आटा, 4 टेबल-स्पून बेसन, 1 टेबल-स्पून सूजी, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 2 चुटकी बेकिंग सोडा, 1/2 टी-स्पून शक्कर, 2 1/4 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून तिल, 1/4 टी-स्पून हींग

विधि

पालक, मेथी और थोड़े नमक को एक प्लेट में डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगभग 5 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। सारा पानी नीचोड़कर पालक और मेथी को एक बाउल में रख दें। अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, गेहूं का आटा, बेसन, सूजी, ज़ीरा, बेकिंग सोडा, शक्कर, नमक और 1 टी-स्पून तेल डालकर, बहुत ही नरम आटा गूंथ लें। अपने हाथों में 1/4 टी-स्पून तेल लगाकर आटे को 4 बराबर भाग में बांट लें। प्रत्येक भाग कप लगभग 150 मिमी के लंबे और 25 मिमी व्यास के गोल आकार में रोल कर लें। रोल्स को तेल से चुपड़ी छन्नी में रखकर, स्टीमर में 20-25 मिनट के लिए स्टीम कर लें। निकालकर हल्का ठंडा कर लें और 12 मिमी के स्लाईस में काटकर एक तरफ रख दें। तड़के के लिए, एक गहरे पॅन में बचे हुए 1 टी-स्पून तेल को गरम करें और सरसों और तिल डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग डालकर 15 सेकन्ड के लिए भुन लें। स्लाईस्ड मुठीया डालकर हल्के हाथों मिला लें और धिमी आंच पर 2 से 3 मिनट के लिए या हल्का सुनहरा होने तक भुन लें। हरी चटनी के साथ गरमा गरम परोसें।

पोहा ढोकला

सामग्री

1/2 कप जाड़ा पोहा, 1/2 कप सूजी,1 कप दही, 1 टी-स्पून हरी मिर्च की पेस्ट, नमक , स्वाद अनुसार, 1 टी-स्पून फ्रूट सॉल्ट, 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून सरसों, एक चुटकी हिंग, सजाने के लिए, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ धनिया, परोसने के लिए, ग्रीन चटनी

विधि

दही और 1 कप पानी को गहरे बर्तन में डालकर अच्छे से मिलाइए। अब उसमे सूजी, जाड़ा पोहा, हरी मिर्च की पेस्ट और नमक डालकर अच्छे से मिलाइए और 10 मिनट के लिए एक तरफ रख दिजिए। ढोकला बनाने से पहले, मिश्रण पर फ्रूट सॉल्ट और 2 टी-स्पून पानी उपर से डालिए। जब बुलबले आना शूरु हो, तब मिश्रण को धीरे से मिलाइए। अब 175 mm व्यास की चुपडी हुई थाली में मिश्रण डालकर उसे एकसमान फैलाइए। अब स्टिमर में 10 से 12 मिनट या ढोकला पकने तक स्टिम करे और एक तरफ रख दीजिए। एक छोटा पॅन मे तेल गरम करें और उसमे सरसों डाले। जब सरसों चटखने लगे, तब उसमे हिंग डालिए। मध्यम आंच पर कुछ सेकंड भूनिए और इस तड़के को ढोकले के उपर फैलाइए। थोडा ठंडा होने के लिए एक तरप रखिए और चौकोर आकार में समान काटकर उपरसे धनिया डालकर सजाइए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**